सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

आवश्यकता है
ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 55 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 8 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा ने बनाए 3 पर्यवेक्षक शनिवार को ले सकते हैं विधायकों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। पर्यवेक्षकों के जरिए विधायकों की राय जानने और फिर नया नेता चुनने की भाजपाई कवायद तेज़ हो गई है। पार्टी ने आज छत्तीसगढ़ समेत तीन राज्यों के लिए पर्यवेक्षकों के नाम घोषित कर दिए। छत्तीसगढ़ के लिए तीन पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। इनमें अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल व दुष्यंत गौतम के नाम शामिल हैं। तीनों नेता शनिवार को रायपुर पहुंच सकते हैं। उसके बाद ही नए मुख्यमंत्री का ऐलान संभव है। फिलहाल सीएम को लेकर कयास ही लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि 12 दिसम्बर तक नई सरकार का गठन हो जाएगा। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पीएम मोदी समेत कई केन्द्रीय नेताओं के शामिल होने की संभावना हैं। इधर, सूत्रों का दावा है कि पीएम मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह समेत कई सीनियर नेताओं को अपनी मंशा बता दी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा एक या दो उपमुख्यमंत्री का दांव भी आजमा सकती है।

छत्तीसगढ़ भाजपा में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर मंथन जारी है। इसी बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। पार्टी हाईकमान ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षकों की घोषणा की। पार्टी ने केंद्रीय स्तर के दो मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल के साथ पार्टी के महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार शनिवार तक प्रदेश में पर्यवेक्षक आएंगे और रविवार को विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के चेहरे पर निर्णय हो सकता है। प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन अभी दिल्ली में हैं। इस बीच केंद्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के अलावा राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यवेक्षकों की भी घोषणा कर दी है। राजनीतिक समीक्षकों के मुताबिक, पार्टी इस बार ऐसे मुख्यमंत्री की तलाश में है जो कि अगले लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को जीत दिलाने की काबिलियत रखता हो। 2019 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सत्ता के बावजूद भाजपा को 11 में से 9 सीटें मिली थी। पार्टी ने इस बार सभी 11 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

सीएम के लिए देर रात तक चलता रहा मंथन

भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के बीच कल देर रात तक बैठक चलती रही। दोनों नेताओं ने दिनभर के घटनाक्रम और सीएम दावेदारों से हुई चर्चा पर मंथन किया। इससे पहले गुरूवार को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के बीच लम्बी बैठक हुई थी। यह बैठक पीएम आवास पर करीब 2 घंटे तक चली। कल ही केन्द्रीय मंत्री और सांसद पद से इस्तीफा देने के बाद छत्तीसगढ़ की वरिष्ठ नेता रेणुका सिंह ने जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के दावेदारों की संख्या कम नहीं है। माना जा रहा है कि पार्टी आलाकमान ने तय कर लिया है कि राज्य को आदिवासी मुख्यमंत्री देना है। यह भी कहा जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री सरगुजा क्षेत्र से हो सकता है। इसी के चलते कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। विष्णुदेव साय, रामविचार नेताम जैसे सीनियर नेताओं के नाम की भी चर्चा है।

शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू, मोदी भी होंगे शामिल!

भले ही पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भाजपा ने अब तक सीएम चेहरा तय नहीं किया है, लेकिन राज्य में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू हो गई है। खबरों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई सरकार की शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। खबर यह भी है कि छत्तीसगढ़ में 12 दिसंबर तक मुख्यमंत्री शपथ ले सकते हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड जीत के लिए प्रदेश की जनता को धन्यवाद देंगे। भाजपा ने शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। राजधानी के साइंस कालेज मैदान, इंडोर स्टेडियम या फिर नवा रायपुर के व्यापार विहार में शपथ ग्रहण समारोह पर विचार किया जा रहा है। वैसे उम्मीद है कि शपथ ग्रहण समारोह इंडोर स्टेडियम में हो सकता है। इसके पीछे मौसम भी एक बड़ी वजह है। बता दें कि अभी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर दिल्ली में हैं। वे जल्द ही पर्यवेक्षक के साथ रायपुर आ सकते हैं।

नए चेहरों को लाया जाएगा सामने

छत्तीसगढ़ के सीएम चेहरे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही है। सीएम की रेस में कोई किसी को आगे बता रहा है तो कोई किसी दूसरे को मुख्यमंत्री बनाए जाने के दावे कर रहा है। जैसे कि संकेत मिल चुके हैं कि भाजपा तीनों राज्यों में बिल्कुल नए चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने की योजना पर काम कर रही है। पार्टी ने हालांकि ये बात ऑफिशियली नहीं कही है, लेकिन संकेत ऐसे ही हैं। पार्टी अगर इन तीन राज्यों में नए चेहरों को मौका देती है तो यह कोई पहली बार किया गया प्रयोग नहीं होगा। गुजरात में ऐसा प्रयोग हो चुका है। वहां सितंबर 2021 तक विजय रुपाणी मुख्यमंत्री थे, लेकिन अचानक भूपेंद्र पटेल को सीएम बना दिया। बीजेपी ने सिर्फमुख्यमंत्री ही नहीं बदला बल्कि पूरा मंत्रिमंडल बदल दिया था। इधर, मुख्यमंत्री की रेस में जिन नेताओं को शामिल बताया जा रहा था, वो खुद को दौड़ में मानने से इनकार कर चुके हैं। राजस्थान और एमपी की तरह छत्तीसगढ़ का मामला भी अटका हुआ है। फैसला रविवार तक हो सकता है, लेकिन उससे पहले कुछ नाम यहां भी चर्चा में हैं, इनमें रामविचार नेताम और रेणुका सिंह शामिल हैं। रामविचार और रेणुका दोनों आदिवासी समुदाय से आते हैं। लेकिन रामविचार नेताम पर रेणुका का पलड़ा भारी दिखाई देता है। चर्चा भी रेणुका के नाम की ही ज्यादा हो रही है। बीजेपी यंग लीडरशिप तैयार करने की जिस योजना पर काम कर रही है. उसमें रेणुका फिट बैठती हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ में आदिवासियों ने बीजेपी को एकमुश्त वोट दिया हैं। पार्टी उन्हें नाराज़ नहीं कर सकती। पहली वजह बीजेपी का प्लान 2024 है, जिसमें आदिवासी और पिछड़े वोटर की बड़ी भूमिका रहने वाली है और तीसरी वजह झारखंड में होने वाले चुनाव को बताई जा रही है। बीजेपी को पता है कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाया तो इसका फायदा झारखंड में भी मिल सकता है।

इन्हें बनाया गया पर्यवेक्षक

भाजपा ने मुख्यमंत्री चुनाव और विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षकों का एलान किया। तीनों राज्यों में पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी ने पर्यवेक्षकों के जरिए विधायकों की बैठक लेने और फिर नए सीएम का ऐलान करने की बात कही थी। इसी के तहत छत्तीसगढ़ समेत राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन-तीन पर्यवेक्षक बनाए गए हैं।

छत्तीसगढ़ : सर्वानंद सोनोवाल, अर्जुन मुंडा, दुष्यंत गौतम
राजस्थान : राजनाथ सिंह, विनोद तावडे,सरोज पांडेय
मध्य प्रदेश : मनोहर लाल, के. लक्ष्मण, आशा लकड़ा

खास-खबर

महुआ मोइत्रा पर आचार समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश, खत्म हो सकती है संसद सदस्यता

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की गई। भाजपा सांसद विजय सोनकर ने रिपोट की सभा के पटल पर रखा। बताया गया कि रिपोर्ट पेश होने के बाद महुआ के खिलाफ निष्कासन प्रस्ताव लाने की भी तैयारी की जा रही है। रिपोर्ट में न सिर्फ महुआ की सदस्यता निरस्त करने की, बल्कि उनके कृत्यों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए इसकी जांच भी कराने की सिफारिश की गई है।

गौरतलब है कि आचार समिति की रिपोर्ट को शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन कार्यसूची में शामिल किया गया था, लेकिन इसे पेश नहीं किया गया। लोकसभा सचिवालय द्वारा शुक्रवार के लिए जारी कामकाज की संशोधित सूची में आचार समिति की रिपोर्ट को एजेंडा आइटम नंबर 7 के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उधर, रिपोर्ट पेश होने और विपक्ष के मतविभाजन की मांग के मद्देनजर भाजपा ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।

लोकसभा में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद अगर सदन समिति की सिफारिश के पक्ष में वोट करता है तो मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म हो जाएगी। हालांकि, विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया है कि मोइत्रा पर निर्णय लेने से पहले सिफारिशों पर चर्चा होनी चाहिए। बसपा सांसद दानिश अली ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि अगर लोकसभा में रिपोर्ट पेश की जाती है, तो हम विस्तृत चर्चा पर जोर देंगे क्योंकि समिति की बैठक में मसौदा ढाई मिनट में अपनाया गया था।

500 पेज की रिपोर्ट कई अहम सिफारिशें

समिति ने 500 पेज की रिपोर्ट बनाई है। इसमें संसद की गरिमा को बचाने व राष्ट्रीय सुरक्षा को महत्व देने के लिए कई अहम सिफारिश की गई हैं।?महुआ पर रिश्वत ले कर अदाणी समूह के खिलाफ कारोबारी हीरानंदानी को लाभ पहुंचाने के लिए सवाल पूछने के आरोप हैं। खुद महुआ ने स्वीकार किया था कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के पोर्टल से जुड़ी अपनी आईडी-पासवर्ड साझा किए थे। हीरानंदानी ने महुआ को रिश्वत देने की बात स्वीकारी थी।

जीत के बाद काशी में पीएम मोदी का होगा स्वागत

■ 17 दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे पीएम

वाराणसी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर काशी आएंगे। इसके मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की ओर से काशी में उनके भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। काशी प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से तैयार हुई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही पीएम काशीवासियों से संवाद स्थापित कर आगामी लोकसभा चुनाव के प्रचार का शंखनाद करेंगे।

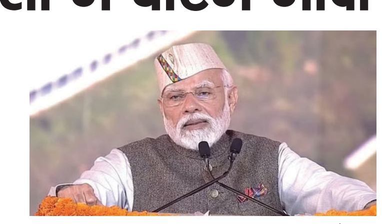

प्रधानमंत्री के दो दिवसीय दौरे को लेकर जिला प्रशासन के साथ ही भारतीय जनता पार्टी की ओर से जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री 17 दिसंबर की दोपहर काशी आएंगे। नदेसर स्थित कटिंग मेमोरियल ग्राउंड में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे और प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। शाम को नमो घाट पर काशी तमिल संगमम कार्यक्रम में आने वाले दक्षिण भारतीय मेहमानों से मिलेंगे और गंगा आरती देखेंगे।

आरबीआई गवर्नर ने की मौद्रिक नीति की घोषणा, रेपो रेट 6.5 प्रतिशत पर बरकरार

तीन दिन की बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने दी जानकारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय बैंक की एमपीसी ने एक बार फिर रेपो रेटो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई जिसका समापन होने के बाद इसकी जानकारी सामने आई है। एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। बैंकों के बैलेंस शीट में मजबूती दिखी है। केंद्रीय बैंक की एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।

आरबीआई आमतौर पर एक वित्त वर्ष में छह द्विमासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श करता है। लगातार चौथी बार मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था। पिछली चार बैठकों में रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अक्टूबर में मौद्रिक नीति समीक्षा में कहा था कि केंद्रीय बैंक चिंतित है और उसने उच्च मुद्रास्फीति को वृहद आर्थिक स्थिरता और सतत वृद्धि के लिए बड़ा जोखिम बताया है। दास ने दोहराया था कि मौद्रिक नीति समिति भारत की प्रमुख मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत के स्तर पर रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ताजा तेजी को छोड़कर मुद्रास्फीति में अपेक्षाकृत गिरावट और इसमें और गिरावट की आशंका ने केंद्रीय बैंक को प्रमुख ब्याज दर पर ब्रेक लगाने के लिए प्रेरित किया होगा। मुद्रास्फीति विकसित अर्थव्यवस्थाओं सहित कई देशों के लिए चिंता का विषय रही है, लेकिन भारत काफी हद तक अपने मुद्रास्फीति प्रक्षेपवक्र को काफी अच्छी तरह से चलाने में कामयाब रहा है।

प्याज के निर्यात पर लगा प्रतिबंध, बढ़ती कीमतों के चलते लिया फैसला

■ सरकार का बड़ा निर्णय

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। देश में प्याज की बढ़ती मांग और बढ़ती कीमतों के चलते सरकार ने यह फैसला किया है। बता दें कि फिलहाल यह प्रतिबंध अगले साल मार्च तक लगाया गया है। विदेशी व्यापार के डायरेक्टोरेट जनरल की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हालांकि डीजीएफटी के नोटिफिकेशन में ये भी कहा गया है कि देशों की मांग पर केंद्र सरकार की इजाजत से प्याज का निर्यात किया जा सकेगा। बता दें कि देश में अभी प्याज खुदरा कीमत में 60 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। अगस्त में सरकार ने प्याज के निर्यात को कम करने के लिए इस पर 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी। यह आदेश 31 दिसंबर 2023 तक के लिए था। हालांकि केंद्र सरकार ने 'बंगलुरू रोज' किस्म की प्याज को एक्सपोर्ट ड्यूटी से मुक्त रखा था। यह प्याज बंगलूरू और कर्नाटक क्षेत्र के आसपास उगाया जाता है और इसे 2015 में जीआई टैग मिला था।

छत्तीसगढ़ को चाहिए गढ़ने वाले हाथ

श्रीकंचनपथ

विधानसभा चुनाव में धमाकेदार जीत के बाद भाजपा में फिलहाल मुख्यमंत्री को लेकर मंथन चल रहा है। महिला चेहरा, ओबीसी चेहरा, वरिष्ठता आदि की बातें चुनावी समीकरण का तो हिस्सा हो सकती हैं पर जब बात छत्तीसगढ़ को छत्तीसगढ़ की तरह गढ़ने की बात आती है तो निर्विवाद रूप से एक ही चेहरा सामने रह जाता है। वह चेहरा है युवा आइएएस अधिकारी ओपी चौधरी का। रायगढ़ के 1500 की आबादी वाले एक छोटे से गांव बायंग में जन्म लेने वाले चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्रों की सुविधाहीन शालाओं से ही अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। स्वाध्याय से 23 साल की उम्र में ही यूपीएससी उत्तीर्ण कर ली और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बन गए। 2005 बैच के इस आइएएस ने 13 साल की सर्विस के बाद 2018 में पद से इस्तीफा दे दिया। यह उन करोड़ों युवाओं की मनोदशा को अभिव्यक्ति देता हुआ प्रतीत हुआ जो नौकरी से जल्द से जल्द छुटकारा पाकर अपनी शर्तों पर जीवन यापन करने की इच्छा रखते हैं। डेढ़ दशक से भी कम के अपने छोटे से कार्यकाल में उन्होंने दुर्ग एसडीएम से लेकर रायपुर कलेक्टर तक का सफ़र तय किया था। दंतेवाड़ा में कलेक्टर रहते हुए उन्होंने नक्सल प्रभावित इलाके को एजुकेशन हब में बदल दिया। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने इसके लिए उन्हें वर्ष 2011-12 में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ में ऐसी कई योजनाओं पर काम किया जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मानित किया गया। राजधानी का प्रयास स्कूल भी उनकी ही देन है जहां नक्सल प्रभावित बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवासीय सुविधा दी जाती है। वे युवा हैं, उनके पास योजनाएं हैं और क्रियान्वयन कराने का सामर्थ्य भी। गौर करें तो उनमें छत्तीसगढ़ में अब तक हुए तीनों मुख्यमंत्रियों की झलक मिल जाती है। प्रथम मुख्यमंत्री जोगी की तरह वे भी कुशाग्र बुद्धि के मालिक हैं और अपने समाज का गौरव हैं। दूसरे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की तरह शांत और सौम्य व्यक्तित्व के मालिक हैं। तीसरे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरह उनका दिल भी ग्रामीणों के लिए धड़कता है। संभवत: इसीलिए अमित शाह ने भी कहा था, आप इन्हें विधायक बना दीजिए, बड़ा आदमी मैं बना दूंगा। 23 साल के युवा छत्तीसगढ़ को अभी राजनीति करने वालों की नहीं बल्कि गढ़ने वाले हाथों की जरूरत है। चौधरी इस कसौटी पर सबसे ज्यादा फिट बैठते हैं। पिछली सरकार ने गांवों को मजबूत करने की अनेक योजनाएं बनाईं और साथ ही साथ स्कूली शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने के प्रयास भी प्रारंभ किये। हालांकि, चुनाव में ये कोई बड़ा मुद्दा नहीं बन पाए पर यह सही दिशा में उठाए गए कदम थे। स्वयं प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार भी इन योजनाओं की मुरीद थी। भूपेश के कार्यकाल में भले ही वांछित परिणाम नहीं आए पर परवर्तन की जो बयार चली है उसे चौधरी बखूबी गति दे सकते हैं। यह सबके लिए अच्छा होगा।

संपादकीय

नए नेतृत्व का समय

तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पहली बार कांग्रेस सत्ता में आई है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपनी टीम के साथ बड़े ही धूमधाम से सत्ता संभाल ली है। राज्य में कांग्रेस को बहुमत मिलने के तीन दिन बाद हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में स्वाभाविक ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत अन्य अनेक नेता मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह अगर शक्ति प्रदर्शन जैसा लगने लगा, तो आश्चर्य नहीं। चार राज्यों में बुरी तरह निराश हुई कांग्रेस के लिए तेलंगाना एक संजीवनी की तरह है। 119 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने अकेले 64 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बनाई और पड़ोसी कर्नाटक में भी उसी की सरकार है, अत: दक्षिण में कांग्रेस को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा क्षेत्र मिल गया है। रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सबसे बड़ी खबर यह है कि उन्होंने पहले ही दिन पार्टी के छह वादों को पूरा करने संबंधी फैसला ले लिया। स्वयं कांग्रेस पर यह आरोप रहा है कि वह अपने अनेक वादे निभा नहीं पाती है, पर अब राजनीति में यह परिपाटी बहुत मायने रखती है कि सत्ता संभालते ही पहला निर्णय वादों को पूरा करने के लिए लिया जाने लगा है। शायद जनता भी यही चाहती है। तेलंगाना में लोगों को महालक्ष्मी योजना के तहत 2,500 रुपये हर महीने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा हासिल हो गई है। रायथु योजना, गृह ज्योति योजना, इंदिरम्मा इंदलु योजना, युवा विकासम योजना भी लागू हो गई है। ये सभी सीधे आर्थिक लाभ वाली योजनाएं हैं, अत: तेलंगाना में लोक-लुभावन योजनाओं का एक नया युग शुरू हो गया है। इन योजनाओं के साथ ही रेवंत रेड्डी को शासन-प्रशासन में सुधार के साथ ही तेलंगाना के विकास को भी तेज करना होगा। तेलंगाना की पिछली सरकार भ्रष्टाचार और परिवारवाद के चलते निशाने पर रहती थी, अब नए मुख्यमंत्री को इन कमियों से दूर रहना होगा। एक बात और ध्यान देने की है कि क्षेत्रीयता पर सियासी जोर के बजाय तेलंगाना को देश की मुख्यधारा से जोड़ना ज्यादा जरूरी है। यह काम कांग्रेस अगर ढंग से करती है, तो उसके लिए अच्छा होगा। नए नेतृत्व, युवा पीढ़ी और नए बदलावों के प्रति आग्रही राजनीतिक दलों का यह दौर है। कांग्रेस जगनमोहन रेड्डी के समय यह गलती कर चुकी है और आज आंध्र प्रदेश की सत्ता कांग्रेस के बजाय जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस के पास है। कांग्रेस को अपनी शैली ऐसी समावेशी रखनी चाहिए, ताकि वह पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश की तरह अपने ही पुराने नेताओं के हाथों हाशिये पर न डाल दी जाए। दूसरी ओर, गौर करने की बात है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भविष्य की ओर देख रहा है, इसलिए मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के चयन में समय लग रहा है। कांग्रेस के पास तेलंगाना में सुलझा हुआ चेहरा था, तो उसने आसानी से चुन लिया, कर्नाटक जैसी समस्या नहीं आई, पर भाजपा के लिए यह काम आसान नहीं है। कर्नाटक में कांग्रेस को जितनी परेशानी हुई थी, उससे कहीं ज्यादा दुविधा भाजपा को अपने तीनों राज्यों में हो सकती है। बहरहाल, उधर, मिजोरम को आज नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। पूर्व आईपीएस अधिकारी लालदुहोमा ने तमाम बड़ी स्थापित पार्टियों के बीच से अपने लिए रास्ता बना लिया है और अब वह सबकी निगाह में हैं।

> “ दूसरी ओर, गौर करने की बात है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भविष्य की ओर देख रहा है, इसलिए मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के चयन में समय लग रहा है। कांग्रेस के पास तेलंगाना में सुलझा हुआ चेहरा था, तो उसने आसानी से चुन लिया, कर्नाटक जैसी समस्या नहीं आई, पर भाजपा के लिए यह काम आसान नहीं है।

मांग के उधार फिर भी न हुआ उद्धार

खबर थी कि फेसबुक का मेरा अकाउंट हैक करके हैकर्स, मेरे मित्रों से पैसे मांग रहे हैं। कुछ ने तो मेरी डीपफेक इमेज के जरिये मुझे बोलता हुआ दिखाकर, मुझसे पैसे मंगवाना शुरू कर दिया है। लेकिन मैं निश्चिंत हूं। मैंने किसी से कभी नहीं कहा कि ‘मेरा अकाउंट हैक हो गया है- मेरे नाम से लोग पैसे मांग रहे हैं- उन्हें पैसे मत दीजिएगा।’ मुझे अच्छी तरह मालूम है कि मेरे नाम से कोई किसी को धेला तक नहीं देगा। उन गधे हैकरों को ये नहीं मालूम कि जब साक्षात् मुझे कोई पैसे नहीं देता तो मेरे नाम से किसी को कोई पैसे क्यों देगा? जब हैकर्स को कहीं से कुछ नहीं मिला तो उन्हें लगा कि गलत आदमी का अकाउंट हैक कर लिया है अकाउंट हैक करके अपराधी भी बने, और मिली चवन्नी तक नहीं यह तो वही मिसाल हुई कि खाए-पिए कुछ नहीं और गिलास फोड़ने के बारह आने।

बहरहाल, जब लोगों को मेरा फेसबुक अकाउंट हैक करके और मेरी डीपफेक इमेज बनाकर, कोई लाभ नहीं हुआ तो खबर है कि हैकर्स, साइंस की फील्ड में और आगे बढ़े हैं और मेरा क्लोन (हूबहू मेरे जैसा आदमी) बना लिया है और अब उसके जरिए मेरे मित्रों के घर, साक्षात?् जाकर पैसे मांग रहे हैं। मेरा क्लोन बनाकर पैसे मांगने वाले जान लें कि मैं अपने निकट और दूरस्थ के सभी मित्रों और रिश्तेदारों से उधार में पैसे मांग चुका हूं। मेरे सर्वोत्तम संज्ञान में ऐसा कोई सगा नहीं है, जिसने उधार देकर मेरा उद्धार न किया हो। मेरे व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़ी एक मुख्य बात यह है कि उधार लेने के बाद, मुझ पर भूलने का, कभी न उतरने वाला नशा छा जाता है। यहां तक कि मुझे उधारी देने वाले मित्र का चेहरा, नाम, घर का पता भी याद नहीं रहता। इसलिए जहां पैसे मांगने जाएं तो यह पक्का कर लें कि वह बंदा कभी मेरा मित्र रहा भी है या नहीं? साथ ही मेरे मित्रों से मेरा सादर अनुरोध है कि ओरिजिनल बंदे को दी गई उधारी को यदि भूल नहीं पाए हों तो भूलने का प्रयत्न करें क्योंकि भूलना ही आपके स्वास्थ्य के लिए उत्तम औषधि होगी। वैसे कभी कोई क्लोन वाला बंदा जब आपके घर उधार लेने आए तो आप नि:संकोच डायरेक्ट उसका कॉलर पकड़ लें और बेगिनती कार्रवाई करके उससे अपनी उधारी वसूल सकें तो वसूल लें ईश्वर आपका सहायक हो और मेरे क्लोन की आत्मा को शांति प्राप्त हो।

डॉ. प्रदीप मिश्र

कॉप समिट का क्या अर्थ?

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कॉप (कॉन्फरेंस ऑफ पार्टीज) प्रक्रिया की प्रासंगिकता पर अब वाजिब सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल इस प्रक्रिया के तहत 28वां सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हो रहा है। वैसे भी पिछले 27 सम्मेलनों में यह प्रक्रिया ज्यादा कुछ हासिल करने में नाकाम रही। लेकिन तब कम-से-कम इतना होता था कि जलवायु परिवर्तन के खतरों को लेकर सारी दुनिया एक स्वर से चिंता जताती थी। मगर यूएई में तो खुद मेजबान ने अब बनी मूलभूत समझ को चुनौती दे दी है। यूएई का राष्ट्रपति होने के नाते सुल्तान अल जबर कॉप-28 के अध्यक्ष हैं। इस महत्त्वपूर्ण भूमिका में होने के कारण उनकी राय ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। सुल्तान अल जबर ने कहा कि ऐसा कोई विज्ञान मौजूद नहीं है, जो जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग चरणबद्ध ढंग से घटाने की जरूरत बताता हो। ऐसा आप तभी कर सकते हैं, जब आपने दुनिया को गुफाओं में वापस धकेल देने का इरादा कर लिया हो। इसके साथ ही ये तथ्य चर्चित हुआ कि अल जबर यूएई की राष्ट्रीय तेल कंपनी एडीएनओसी के अध्यक्ष भी हैं। इस रूप में तेल के कारोबार को जारी रखने के साथ उनका स्वार्थ जुड़ा हुआ है। इस बीच बीबीसी ने ई-मेल की लीक हुई एक श्रृंखला के आधार पर एक बड़ा खुलासा किया है कि यूएई ने कॉप-28 सम्मेलन के मौके पर तेल और गैस के सौदे करने- यानी अपने कारोबार को बढ़ाने की एक बड़ी योजना बनाई थी।

> “ किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है। इन सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है। मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया। इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया।

जीडीपी का हिस्सा बनें सामाजिक-पर्यावरणीय सरोकार

अरुण मायरा

पृथ्वी की सेहत, इसके वन, नदियां, महासागर और हवा संकट में हैं। मौसम में हो रहे बेलगाम बदलावों से इसी सदी के अंदर जीवन बदल जाएगा। दुबई में आयोजित कॉप-28 पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए विश्व के नेता इसको थामने के उपायों पर सहमति के लिए प्रयास कर रहे हैं। पांच दिसम्बर को ‘विश्व मृदा दिवस’ मनाए जाने के साथ मेरे मन में अन्य शाश्वत विचार घुमड़ रहा है: वह मिट्टी जो सबको जीवन प्रदान करती है, उसकी अपनी सेहत कैसी है। विषैली धरती में डाले गए बीज उगने से रहे। प्रगति चालित अर्थव्यवस्था की नीतियों ने उसी प्राकृतिक पर्यावरण को क्षतिग्रस्त कर डाला, जिसके दम पर तमाम जीवन है। यह विचारधारा, जिसे बदलना कठिन है, आवश्यक पर्यावरणीय सुधारों को रोकती है और सततापूर्ण विकास ध्येयपूर्ति को धीमा बनाती है, इसमें सामाजिक चुनौतियां और मौसम में बदलाव जैसे विषय भी शामिल हैं।

प्रकृति अपनी मिट्टी की सेहत कैसे बनाए रखती है? शायद कुदरत से सीखे गए सबक संस्थानों द्वारा आर्थिक तरक्की को परिभाषित करने की परंपरा और विचारों को बदलने में हमारा मार्गदर्शन कर पाएं।

पंजाब के कृषकों को व्यापक पैमाने पर अन्न उत्पादन करने की तकनीकें और जरूरी साधन मुहैया करवाए गए थे ताकि देश का पेट भरने को गेहूं और चावल का उत्पादन बढ़ सके इसके लिए मोनोकल्चर एग्रीकल्चर के साथ आयातित बीज-खाद और बांधों, नहरों और भूजल स्रोतों से सिंचाई जल भी उपलब्ध करवाया गया। भूजल स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंचता देख, धान बुवाई का समय बारिश की आमद के साथ जोड़ा गया। लेकिन इससे धान-कटाई और गेहूं-बिजाई के बीच पराली उठान के लिए समय घटता गया। किसान पराली को नैसर्गिक रूप से मिट्टी में जज़्ब होने का इंतजार करने या इसका उपयोग कहीं और करने की बजाय, जलाने लगे। इससे प्राकृतिक अपशिष्ट क्षरण चक्र जाता रहा। अब किसानों को ऐसी नई तकनीकों की जरूरत है जिससे कि पराली अन्य कहीं इस्तेमाल के लिए खेत से उठ पाए। परंतु उनके पास इस हेतु आर्थिक स्रोत नहीं है। इसी बीच रसायनों के प्रयोग से उनकी मिट्टी विषैली होती गई।

किसी प्राकृतिक वन या भूभाग में नाना प्रकार की वनस्पतियां, पक्षी, जीव और कीड़े-मकोड़े हुआ करते हैं, जिनका जीवन-चक्र एक-दूसरे पर निर्भर है। इन सबका जीवन प्रकृति की जटिल व्यवस्था पर आश्रित है। मनुष्य ने खेत में खरपतवार समझी जाने वाली हरेक नस्ल को पनपने नहीं दिया। इस तरह खेत में केवल एक प्रजाति की पौध रखकर उत्पादन करना और कमाई बढ़ाते जाने वाला तरीका अपनाया। ‘आधुनिक वैज्ञानिक खेती और वन उपायों’ ने प्रकृति का खुद का जीवन बरकरार रखने वाली प्रणाली को तहस-नहस कर दिया है।

आधुनिकता, वैज्ञानिकता, आर्थिक तरक्की अच्छी बात है। इन्होंने मनुष्य के जीवन काल में इजाफा किया है। बहुत से देशों में बुजुर्गों की गिनती युवाओं से अधिक हो गई है। उनकी सरकारें महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहन पैकेज तक देने लगी हैं ताकि अर्थव्यवस्था सतत बनी रहे। यहां तक कि भारत में भी, कुछ ही सालों में बुजुर्गों की जनसंख्या युवाओं से ज्यादा हो जाएगी और हमें ‘वृद्ध भारत’ वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करनी होगी। मौजूदा अर्थव्यवस्था प्रणाली में न तो वृद्धों को और न ही परिवार या समुदाय की देखभाल को ‘उत्पादक’ माना जाता है। अर्थशास्त्रियों की इच्छा है कि अधिक संख्या में महिलाएं नव-उद्यमी बनें ताकि जीडीपी में इजाफा हो, भले ही इससे परिवार और बुजुर्गों की अनदेखी हो। देखभाल की इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने को नए-नए उपाय, जो कि अधिकांशत: पेशेवर हैं, ढूंढ़े जा रहे हैं। बताया जाता है कि इससे भी जीडीपी में इजाफा होगा, परंतु इसकी एवज में चाहे परिवारों और समुदायों का नैसर्गिक रूप से साथ रहने की परंपरा टूट जाए।

सरकारें, जिन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों वाली व्यवस्था बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहिए, यहां उनकी भूमिका एक किसान की तरह होनी चाहिए यानी आजीविका कमाने में विविधता कायम रखने की जिम्मेवाराना सहजवृत्ति निभाना। सरकारों के लिए बुजुर्ग आबादी की देखभाल करने के लिए स्रोत कम पड़ रहे हैं। वे बुजुर्ग, जो परिवारों से अलहदा हैं, उनके लिए वृद्ध-संभाल गृह होने चाहिए, क्योंकि अधिकांश इसका खर्च उठाने लायक नहीं हैं। महंगाई सूचकांक से जुड़ी अधिक पेंशन देने के लिए सरकारों को कंपनियों, कामकाजी वर्ग पर अधिक कर लगाने पड़ते हैं, जो कि वह देने को राजी नहीं। फिर सेवानिवृत्तों को पुन: नौकरी देने का विरोध भी युवा करते हैं क्योंकि उन्हें भी यथेष्ट वेतन वाली अच्छी नौकरी चाहिए। ‘लचीली रोजगार व्यवस्था’, जिसमें नियोक्ता किसी कर्मी को अपनी जरूरत और मुनाफे के हिसाब से रखता-हटाता है, इससे भी नौकरियां घटती जा रही हैं।

महिलाएं, बुजुर्ग और सामाजिक देखभाल प्रदाता समाज का मूल्यवान स्रोत हैं। वे स्वास्थ्य और समाज की निरंतरता बनाए रखने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं, जो कि आधुनिक अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन खाके में फिट नहीं बैठती। देखभाल-सेवा में जो श्रम-समय लगता है उसका आर्थिक मूल्यांकन नहीं किया जाता।

जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेतृत्व से मनुष्यता-केंद्रित नव-व्यवस्था का खाका बनाने का अनुरोध किया था। लेकिन ढर्रे को बदलना आसान नहीं। उनकी इस अपील के बरअक्स भारत के नीति निर्माता जीडीपी वृद्धि को देश की तरक्की का पैमाना बनाकर मूल्यांकन करना जारी रखे हुए हैं। जहां एक ओर भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में एक है, वहीं जीडीपी वृद्धि की प्रति इकाई के पीछे नौकरियां पैदा करने की इसकी दर सबसे कम है। दुनिया के सबसे प्रदूषित नगरों की सूची में भारतीय शहर हैं, हमारा भूजल स्तर गिरता जा रहा है।

जीडीपी दर को किसी मुल्क की आर्थिक सेहत का पैमाना मानने के मूल सिद्धांत में वैचारिक खोट यह है कि इसमें उन्हीं तत्वों को गिना जाता है जिसे अर्थशास्त्री अहम समझते हैं- यानी पैसे से मापी जा सकने वाली आर्थिक गतिविधियां और उत्पादन। जीडीपी गणना में उसका कोई मोल नहीं जिसका महत्व मनुष्यता के लिए है। किसी कॉर्पोरेट की कारगुजारी को मापते वक्त ध्यान निवेशकों को मिले मुनाफे पर केंद्रित रहता है। इसकी एवज में बृहद व्यापारिक माहौल और प्रकृति पर क्या असर रहा, यह नहीं गिना जाता।

लेकिन सततापूर्ण पर्यावरण ध्येय की सूची में, आपस में गुंथे सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक समस्या के अलावा बुजुर्ग बनती जनसंख्या से पैदा चुनौतियां शामिल हैं और इनके आलोक में नव-आर्थिक एवं जन-नीतियों पर विचार करने की जरूरत है। तुर्रा यह कि पर्यावरण बदलाव में सुधार हेतु नए उपायों के लिए वित्तीय मदद की घोषणा करने का विचार उसी मिट्टी में रोपा जा रहा है, जो वित्तीय संस्थानों एवं कॉर्पोरेट हितों का पोषण करती है। बदलाव का हल उच्चस्तरीय सम्मेलनों का आयोजन, केवल माहिरों को बुलाने से नहीं निकलने वाला। इसके लिए आम लोगों की राय, मसलन, किसान, देखभाल सेवा प्रदाता, श्रमिक और महिलाएं, जो भले आर्थिक माहिरों के पदानुक्रम में कहीं नहीं आते और जिन्हें स्थापित ढर्रे में फैसले लेते वक्त नज़रअंदाज किया जाता है, लेकिन ताकतवर लोगों को अपनी कुर्सियों से उतरना ही होगा और इनकी राय सुननी पड़ेगी।

(लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं।)

खुफिया एजेंसियों में जरूरी सुधार का सही समय

प्रशांत झा

खुफिया एजेंसियां भारत की एक मजबूत ताकत रही हैं। सार्वजनिक चकाचौंध से दूर, उन्होंने देश की सीमाओं को सुरक्षित करने में मदद की है, भारतीयों की जान बचाई है, पड़ोस में भारतीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, विरोधियों का सफल मुकाबला किया है, और राजनेताओं के लिए शांति व युद्ध में से समझदारी भरा विकल्प चुनने की राह बनाई है। मगर उनकी सफलताएं गुमनाम रह जाती हैं और विफलताएं सुर्खियां बन जाती हैं।

कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने के आरोपों के बाद गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता संबंधी आरोप से हमारी खुफिया एजेंसियों पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ रहा। बेशक, ये सभी फिलहाल आरोप हैं, पर इस विश्लेषण के लिए यदि हम एक बार मान लेते हैं कि इसमें कुछ हद तक सच्चाई है। तब हम उन संशयवादियों के डर को पुष्ट करेंगे, जो मानते हैं कि अब खुफिया एजेंसियों पर अत्यधिक निर्भरता, न्यायिक दखल का सहारा, कानून का उल्लंघन और राज्य एजेंसियों के उपयोग-दुरुपयोग जैसी चीजें व्यवहार में प्रकट हो रही हैं। मगर सवाल यह है कि जब एक बार ऐसा कुछ हो जाता है, तब फिर कोई कैसे यह सुनिश्चित कर सकता है कि ऐसी घटनाओं से प्रतिष्ठा पर आंच न आए और सुधार के जरूरी उपाय कर लिए जाएं। इस संदर्भ में यहां पांच विचार दिए गए हैं।

पहला, लक्षित शिकार की कार्रवाइयां हमेशा आखिरी विकल्प के तौर पर होनी चाहिए, भले ही भौगोलिक स्थिति और खतरे की प्रकृति कुछ भी हो। यह कहना निस्संदेह नासमझी होगी कि ऐसा कभी नहीं होना चाहिए, पर सिस्टम को शत्रुओं की क्षमता को कमजोर करने के लिए तमाम विकल्प आजमाने चाहिए, खासतौर से जब सीमा-पार किसी खतरे से निपटना हो। दूसरा, सत्ता-संतुलन का आकलन। निस्संदेह, ऐसे अभियानों से बच निकलना संभव है, जहां भारत के पास उस देश की तुलना में कहीं अधिक क्षमता या ताकत है, जहां लक्ष्य मौजूद है। मगर ऐसे कार्यों को उन देशों में महज लागत व लाभ का आकलन करके मंजूरी नहीं देनी चाहिए, तो अधिक ताकतवर हैं या बड़ी ताकतों से जुड़े हैं और हमें बड़ी कीमत चुकाने को मजबूर करने की क्षमता रखते हैं। तीसरा उपाय, गोपनीयता की अनिवार्यता को इस सोच के साथ संतुलित करना कि जैसे-जैसे भारत का रुतबा बढ़ता जाएगा, वैसे-वैसे दोस्त व दुश्मन, दोनों तरह की सरकारों व अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में छानबीन की ताकत भी बढ़ती जाएगी। इसका अर्थ यह है कि इस प्रकृति के फैसले में खुफिया तंत्र के बाहर के लोगों को भी शामिल किया जाए और कूटनीतिक रहे लोगों को भी। ऐसा इसलिए, क्योंकि जो लोग सुरक्षा पर ध्यान लगाते हैं, वे अपने काम के कारण व्यापक दृष्टिकोण नहीं रख पाते, जबकि जो लोग द्विपक्षीय या आपसी संबंधों के प्रबंधन में शामिल रहे हों, वे किसी खास रिश्ते के तमाम पहलुओं के बारे में जानते हैं व व्यापक नजरिया दे सकते हैं।

चौथा, खुफिया एजेंसियों की विधायी जवाबदेही, क्योंकि ‘रॉ’ का जिक्र कानूनी किताबों में नहीं है। भारत दुनिया के बड़े लोकतंत्रों में एक अपवाद माना जाता है, क्योंकि यहां खुफिया समिति जैसा संसदीय तंत्र नहीं है, जो ऐसी एजेंसियों पर नजर रख सके। गोपनीयता जरूरी है, मगर यह सुनिश्चित करने के लिए कई अन्य तरीके भी हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने एक बार भारतीय एजेंसियों के कामकाज व उनकी शक्तियों के प्रबंधन को लेकर एक निजी विधेयक पेश किया था। इससे इन पर निगाह रखने का मौका मिलेगा व गलतियों को रोकने में मदद मिलेगी।

आखिरी उपाय, खुफिया एजेंसियों में कार्मिक प्रबंधन बहुत सावधानी से होना चाहिए। खुफिया अभियानों में अर्द्ध-प्रशिक्षित लोगों की नियुक्ति से ऑपरेशन को लेकर बुरा अनुभव होता है। देखा जाए, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर अजीत डोभाल के पास अधिकार भी है और इन लंबित सुधारों पर काम करने की क्षमता भी। यह जरूरी बदलाव का सही वक्त भी है। इससे एक अधिक शक्तिशाली भारतीय सुरक्षा तंत्र बनाने में मदद मिलेगी, जो बाहर से मिलने वाले बड़े और नए खतरों से कहीं अधिक कुशल तरीके से निपटने में सक्षम होगा।

वैज्ञानिक ढंग से हो उकसाने के मुकदमे की जांच

आलोक मित्तल

शायद ही कोई दिन हो जब हम मीडिया में किसी न किसी व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने के बारे में न पढ़ते-देखते हों। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग दस लाख लोग आत्महत्या करते हैं और 20 गुना अधिक लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। औसतन हर 40 सेकंड में एक मौत और हर 3 सेकंड में एक प्रयास। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्ष 2020 में 1,53,052, 2021 में 1,64,033 व 2022 में 1,70,924 आत्महत्याएं की गईं। आत्महत्या के मामलों में निरंतर वृद्धि चिन्ता का विषय है।

एनसीआरबी के वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या के प्रमुख कारण पारिवारिक समस्याएं, बीमारी, नशे की लत, शादी संबंधी मुद्दे, प्रेम प्रसंग, दिवालियापन व बेरोजगारी हैं। आत्महत्या के काफी मामलों में मृतक के परिजन किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार मानते हैं तथा पुलिस से उसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए कहते हैं। कई बार कानून-व्यवस्था बनाये रखने को ऐसे मामलों में भी एफआईआर दर्ज करनी पड़ती है, जिसमें आरोपी असल में उस सुसाइड के लिये जिम्मेदार नहीं होता।

भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के अनुसार आत्महत्या के लिए उकसाना आपराधिक कृत्य है, जिसमें किसी को अपनी जान लेने के लिए मदद करना, उकसाना या मजबूर करना शामिल है। इन मामलों में दोषी को 10 वर्ष तक सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है।

भारतीय दंड संहिता की धारा 107 ‘उकसाने’ को परिभाषित करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने रमेश कुमार बनाम छत्तीसगढ़ राज्य के मामले में कहा है कि उकसाने का अर्थ किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करना, आगे बढ़ाना या मजबूर करना है। भादंसं की धारा 107 और धारा 306 के सह-संबंध पर न्यायालयों द्वारा बार-बार चर्चा की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएस छेना बनाम विजय कुमार महाजन और अन्य, एसएलपी 2009 के मामले में कहा है कि उकसाने में जान-बूझकर किसी व्यक्ति को कुछ करने में सहायता/मजबूर करने की एक मानसिक प्रक्रिया शामिल है। अभियुक्त की स्पष्ट मन:स्थिति के बिना, धारा 306 भादसं के तहत दोष सिद्धि को कायम नहीं रखा जा सकता है। इसके लिए एक सक्रिय या प्रत्यक्ष कृत्य की भी आवश्यकता होती है, जिसके कारण मृतक को आत्महत्या करने के अलावा कोई विकल्प न दिखाई दे। उदाहरण के तौर पर कोई कर्मचारी अपने अधिकारी के पास अवकाश मांगने जाता है और अधिकारी काम की अधिकता के कारण अवकाश देने से मना कर देता है। जिस पर वह कर्मचारी आत्महत्या कर लेता है तो इसे आत्महत्या के लिये उकसाना नहीं माना जाना चाहिए।

कई बार आत्महत्या करने वाला व्यक्ति ऑडियो, वीडियो संदेश या सुसाइड नोट के माध्यम से आत्महत्या के लिए जिम्मेदार को उल्लेखित करता है। परन्तु एक प्रश्न हमेशा बहस का विषय रहता है कि क्या केवल सुसाइड नोट में किसी व्यक्ति का नाम उल्लेखित होने से उस व्यक्ति को दोषी मानना चाहिए?

यह सच है कि सुसाइड नोट जांच एजेंसी को सही दिशा तय करने में बहुत मदद करता है लेकिन यह एकमात्र ठोस एवं निर्णायक सबूत नहीं माना जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने एआर माधव राव बनाम हरियाणा राज्य मामले में कहा है कि केवल सुसाइड नोट में किसी व्यक्ति का नाम होने से वह धारा 306 के तहत अपराधी नहीं है। सुसाइड नोट के साथ अन्य सम्बन्धित परिस्थितियों का विश्लेषण करने तथा यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पीड़ित ने आत्महत्या उकसावे के कृत्य की वजह से ही की है।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले जांच अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौतियां पेश करते हैं, क्योंकि इनमें अक्सर जटिल भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारक शामिल होते हैं। मृतक की मानसिक स्थिति व उसके और कथित उकसाने वाले के बीच भावनात्मक गतिशीलता को समझना आवश्यक है। ऐसे मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे जांच को अधिक जटिल बनाते हैं। कुछ मामलों में भावनात्मक प्रभाव या मौखिक दबाव की अप्रत्यक्ष/अस्पष्ट प्रकृति के कारण उकसावे के ठोस सबूत प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। आत्महत्या करने वाले के परिजन जांचकर्ता पर आरोपी को गिरफ्तार करने का निरन्तर दबाव बनाते हैं। उक्त चुनौतियों के चलते इस तरह के मामलों में दोषसिद्धि दर काफी कम रहती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

निगम का टेक्स जमा करने दो दिवसीय शिविर का आयोजन

भिलाई। निगम भिलाई क्षेत्र के आवासीय, व्यवसायिक एवं अन्य भवनों का संपत्तिकर, यूजर चार्ज, जल कर, भू-भाटक, दुकान किराया का टेक्स जमा करने निगम के चार जोन क्षेत्र मे शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर निगम के राजस्व वसूली हेतु ठेका प्राप्त एजेंसी श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा 9 एवं 10 दिसम्बर को जोन 1 नेहरूनगर के जोन कार्यालय ,वार्ड 2 में चौहान टाऊन में वार्ड 69 एवं 70 हुडको श्री राम चौक में , जोन 2 वैशालीनगर के जोन कार्यालय एवं वार्ड 24 में आम्रपाली , जोन 3 मदरटेरेसा नगर के जोन कार्यालय एवं वार्ड 37 रविदास भवन इंदिरा मूर्ति के पास उसी प्रकार जोन 4 शिवाजी नगर खुर्सीपार जोन कार्यालय एवं वार्ड 43 जलाराम मंदिर बापूनगर में क्षेत्रवासियो की सुविधा के लिए सम्पत्तिकर, युजर चार्ज, जलकर,भुभाटक, दुकान किराया जमा करने शिविर लगाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने कहा है कि नागरिक गण आयोजित शिविर मे अपने भवन दुकान का टेक्स जमा कर शिविर का लाभ अवश्य उठाएं।

जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा

सूरजपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला सूरजपुर (छ.ग.) की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा विभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदारों की उपस्थिति में की गई। प्रगति के संबंध में सदस्य सचिव, द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सूरजपुर में 164515 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध अद्यतन 103341 नग घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं शेष 60672 नग घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय करना शेष है। इन ठेकेदारों से कलेक्टर एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई एवं इन ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश एवं चेतावनी दी गई कि कार्य गुणवत्तापूर्वक समय-सीमा में पूर्ण करें। क्योंकि विभाग का उद्देश्य केवल निर्माण करना नहीं है, अपितु लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना उद्देश्य है एवं जिन ठेकेदारों के द्वारा निर्देशानुसार प्रगति नहीं दी जायेगी, ऐसे ठेकेदारों की प्रति 15 दिवस में बैठक आहूत ली जायेगी। इसके अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा जिले में स्वीकृत 11 समूह जल प्रदाय योजनाओं के प्रगति की समीक्षा वन मण्डलाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की उपस्थिति में भी की गई।

जीत के बाद दिखी बृजमोहन अग्रवाल की सादगी, दुधाधारी मठ पहुंचकर लिया महंत रामसुंदर दास का आशीष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में रायपुर दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास को रिकार्ड मतों के अंतर से हराया। जीत के बाद बृजमोहन अग्रवाल ने संस्कार व सादगी का परिचय दिया। बृजमोहरन अग्रवाल महंत रामसुंदर दास जी से मिलने दुधाधारी मठ पहुंचे। यहां उन्होंने राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी को श्रीफल व शाल से भेंट कर चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया।

बता दें बृजमोहन अग्रवाल लगातार आठवीं बार विधायक चुने गए हैं। वहीं महंत रामसुंदर दास जी से उनके पुराने संबंध है। वे उन्हें अपना गुरु मानते हैं। महंत रामसुंदर दास एवं ब्रजमोहन अग्रवाल के बीच ऐसे मधुर संबंध तीन दशक से हैं। उनके पहले दूधाधारी मठ के ब्रम्हलीन महंत लक्ष्मी नारायण दास जी के भी बृजमोहन अग्रवाल व उनके पिता रामजीलाल अग्रवाल के साथ ऐसे ही गुरु शिष्य के मधुर संबंध रहे हैं। अग्रवाल परिवार के मठ व पूज्य महंत जी के प्रति असीम श्रद्धा है, भगवान बालाजी सदैव उनकी रक्षा करें व उनके इस सहृदयता के गुण को सदैव बनाए रखें। प्रतिद्वंदी प्रत्याशियों के बीच ऐसी सौहार्दता आज के राजनैतिक समाज में कम ही देखने को मिलती है। बृजमोहन जी हमेशा कहते हैं की राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं पर कभी किसी से राजनीतिक मनभेद नहीं रखना चाहिए।

67,719 मतों से दर्ज की जीत

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफकांग्रेस ने महंत रामसुंदर दास को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। बृजमोहन ने इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार महंत को सर्वाधिक 67,719 मतों से हराया है। इस जीत के साथ अग्रवाल लगातार आठवीं बार विधायक निर्वाचित हुए। इस विधानसभा चुनाव में अग्रवाल ने रायपुर शहर दक्षिण विधानसभा सीट पर 1,09,263 मत हासिल किए और कांग्रेस के महंत रामसुंदर दास को 67,919 मतों के अंतर से हराया। कांग्रेस प्रत्याशी महंत को 41,544 मत मिले।

सार्वजानिक कार्यक्रम में गरजें बृजमोहन, कहा :

चलता रहेगा बुलडोजर

सर्वाधिक मतों से आठवीं बार जीत दर्ज करने के बाद बृजमोहन अग्रवाल गुरूवार को अपने पहले सार्वजनिक आयोजन में शामिल हुए। रायपुर पुष्टिकर समाज के पुरानी बस्ती में निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का विधवत पूजन कर शुभारंभ किया। इस दौरान सनातन धर्म का अपमान करने वालों पर फिर गरजते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सनातन का अपमान करने वालों को प्रदेश की जनता ने माकूल जवाब दिया हैं।अब राजधानी सहित प्रदेश में कानून का राज चलेगा, गुंडे-बदमाशों की खैर नहीं। रायपुर के सबसे बड़े शिवालय में बूढ़ेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर अपने आठवें सावर्जनिक कार्यकाल का आगाज करते हुए उन्होंने कहा की भोले बाबा ने बुलाया है। ये सब उनके ही आशीवाद का परिणाम हैं की रायपुर की जनता मुझे लगातार आशीर्वाद दे रही हैं। शहर का हर नागरिक बृजमोहन हैं और किसी भी काम के लिए जनता को

भटकने की आवश्यकता नहीं हैं। हर नागरिक अपनेको बृजमोहन समझकर कार्य करें। रायपुर पुष्टिकर समाज के सामुदायिक भवन के लिए उन्होंने और 10 लाख देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेरी कोई ताकत नहीं हैं, मुझ में कोई दम नहीं हैं। ये सब आप सभी के मत की ताकत हैं जो मुझे लगातार सेवा करने का संबल देती हैं। बूढेश्वर बाबा और भैरुनाथ बाबा के आशीर्वाद से अब प्रदेश में कमल फूल वाली भाजपा की सरकार हैं विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी।

आर्मी अफसर संभालेंगे रायपुर एम्स की कमान लेफ्टिनेंट कुणाल को एम्स की बड़ी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का एकमात्र एम्स में डिप्टी डायरेक्टर पद पर सैन्य शक्ति से जुड़े बड़े ऑफिसर को नियुक्त कर दिया गया है। दिल्ली के आर्मी ऑफिसर लेफ्टिनेंट कुणाल शर्मा को रायपुर एम्स की कमान सौंप गई है उन्हें डीडीए के पद पर की नियुक्ति दी गई है यह आदेश केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किया है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर एम्स में इसी तरह निर्देश के रूप में आर्मी चिकित्सक को पद्धति किए जाने की भी चर्चा इसी के साथ तेज हो गई है निर्देशक की जॉइनिंग के लिए ऐसा माना जा रहा है कि साल 2024 के शुरू होते ही उन्हें नियुक्ति देते हुए ज्वाइन कराया जाएगा। क्योंकि अब तक रायपुर डायरेक्टर की पोस्ट खाली है। भोपाल एम्स डायरेक्ट ही रायपुर एम्स डायरेक्टर का पदभार संभाल रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक अब अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान का काम प्रभारी अधिकारियों के भरोसे चलने के बाद अब जल्द ही डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर के पद पर स्थाई अफसर मिलने वाले हैं।

ऐसा माना जा रहा था कि शीर्ष दो अफसर की अनुपस्थिति के कारण एम्स का कामकाज सामान्य तरीके से नहीं चल पा रहा था इसी कारण प्रशासनिक कार्यों को सिस्टम के तहत कैसे पूरा किया जाए इसके लिए शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति करना जरूरी पड़ गया था। ऐसा माना जा रहा है कि यह दोनों पदों पर स्थाई नियुक्ति करने से अब एम्स में प्रशासनिक और चिकित्सीय कार्यों की व्यवस्था में परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

रायपुर एम्स की स्थापना के बाद से ही निर्देशक के पद पर लंबे समय से कम कर रहे डॉक्टर नितिन नगरकर का इस्तीफा जुलाई में मंजूर कर लिया गया था उन्होंने पिछले दिसंबर में ही अपना इस्तीफा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को भेज दिया था।

मिचौंग ने बढ़ाई किसानों की चिंता, दलहन तिलहन चना की फसलों का हुआ भारी नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। बीते 3 दिनो से हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।अंचल के किसान ऐसे भी कृषि विभाग की कार्यप्रणाली से नाखुश हैं।जिसमें ग्राम सेवक और कृषि मित्र द्वारा किसानों को बीज वितरण सहित किसी प्रकार की कृषि विभाग की योजनाओं का जानकारी नही मिलता छुरा स्थित वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी का कार्यालय केवल शो पिश बना हुआ है। पर कृषि विभाग की माने तो 1 पर्ची में 30 किलो वितरण किया गया है। रजनकटा,खट्टी में 50 हेक्टेयर में निशुल्क बीज वितरण किया गया है।

और जो जरूरत मंद को 30 किलो 1100 सौ रुपए प्रति बोरी के हिसाब से दिया गया है। पर यहां के कुछ किसानों ने चना, दलहन, तिलहन की फसल अपनी अपनी व्यवस्था से बीज खरीदकर लगाई तो बेमौसम बारिश ने कह ढा दिया। मिचौंग तूफान की कहर से लगातार दो तीन दिन से हो रही बारिश की वजह से खेतो मे पानी भर गया है किसान चिंतित है ऐसे में पांडुका क्षेत्र के किसान, अब मुआवजे की मांग कर रहे हैं क्योंकि बारिश की वजह से उनके दलहन की फसले सड़ जाएगी और चना मे जो फूल, फल लग चूका था ओ बारिश मे झड़ कर गिर गया है। ऐसे मे किसान सर पकड़ कर बैठ गया है कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण में ऐसे भी किसानो को नाखुश करते आ रहें हैं। हर साल की तरह इस साल भी बीज वितरण में भाई भतीजा वाद और अपने लोगों को बीज वितरण किया गया है जबकि जरूरतमंद किसानों को हर साल बीज नहीं मिलता और कुछ कृषि मित्रों एवं ग्राम सेवकों के द्वारा अपने चिन्हांकित लोगों को ही लाभ पहुंचाया जाता है जैसे तैसे किसान स्वय की लागत से अब बीज बोकर जब फसल लगा ही लिये तो मौसम की मार ने किसानों को मायूस कर दिया। रजनकटा पांडुका अंचल के किसान भाइयों ने बताया जिसमे दानी राम साहू, दौलत राम, खरक राम साहू, चेतन साहू, पुरुषोत्तम साहू, ऋषि साहू, भगत राम साहू, प्रभात साहू, लखन, सेवक, रूपू, छगन, योगेश, विजय, हेमलाल, डोमन आदि 100 एकड़ से ज्यादा मे चना का फसल लगाय है।जिसमे फूल चालू हो गया था तथा कही कही फल भी गया था।बारिश का पानी खेत मे रुक जाने से फसल बीज सड जायेगा फुल भी झड़ गया,फल लग रहा था।उसमे दाना नही आयेगा किसानो ने बताए की कृषि विस्तार अधिकारी सरोज केंवट आये थे बीमा कराने बोले है। साथ ही बीमा वालो को भेजूंगी बोली है।

इस बार इस फसल में हमें लागत प्रति एकड़ 50 किलो बीज 200 रूपय किलो के हिसाब से,4 बार जोताई दवाई,खाद पानी सहित 25 हजार से 30 हजार प्रति एकड़ लागत लगा है।अगर हमे मुआवजा नहीं मिला तो हम बरबाद हो जायेंगे इस लिए हम शासन प्रशासन से मुवावाजा की मांग कर रहे हैं। वही इस बारे में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी छुरा एन भाई टुटुने बताए की किसानो को दो योजनाओं के तहत बीज वितरण किया गया है।साथ ही 31 दिसंबर तक बीमा कराना है ।मैं पता लगाया हु खेतो में पानी उतना नहीं भरा है। फसल बचने की चांस है। नियमानुसार बीमा दिया जाएगा।

शहरों की भांति गांव-गांव में घर-घर कचरा एकत्रीकरण प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ग्राम पंचायतों को खुले में शौचमुक्त के पश्चात् ओ.डी.एफ प्लस की अवधारणा के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक गांव में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के सभी आयामों पर कार्य करते हुए स्वच्छ एवं सुन्दर बनाए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

ग्राम पंचायतों में जहाँ एक तरफ गंदे पानी के सुरक्षित निपटान हेतु ग्रे एवं ब्लैक वॉटर मैनेजमेंट का कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जैविक-अजैविक कचरे के सुरक्षित निपटान हेतु विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है। ग्राम को स्वच्छ रखने हेतु ग्रामीणों को जागरूक करने के लिये जागरूकता अभियान चलाकर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक-पृथक निपटान करने की जानकारी दी जा रही है। जिसमें जैविक कचरे को नॉडेप एवं वर्मी कम्पोस्ट के माध्यम से खाद बनाया जा रहा है। साथ ही अजैविक कचरे के सुरक्षित निपटान हेतु महिला समूह के माध्यम से प्रत्येक गांव में घर-घर कचरा एकत्र कर सेग्रीगेशन वर्कशेड में पृथ्थक्कीकरण का कार्य किया जाता है। जिसमें प्लास्टिक, रबर, कांच एवं धातू के अपशिष्ट को पृथक कर पुनः चक्रण हेतु कबाड़ी को बेचकर आय अर्जित की जा रही है।

स्वच्छाग्राहियों को मानदेय प्रदान करने हेतु 35 ग्राम पंचायतों द्वारा स्वच्छता कर भी लिया जा रहा है। स्वच्छाग्राहियों के माध्यम से गांव में स्वच्छता बनाए रखने हेतु निरंतर जागरूकता कार्य किया जा रहा है। शहरों की भाति गांव-गांव में घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत किया जा रहा है। इसकी शुरूआत वर्ष 2019-20 से ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था स्थापित करने के लिये की गई। वर्तमान में जिले के समस्त 381 ग्रामों में घर-घर कचरा एकत्रीकरण करने हेतु सेग्रीगेशन वर्कशेड निर्माण करने की स्वीकृति दी जा चुकी है। 315 गांव में सेग्रीगेशन एवं शेड का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 66 ग्रामों में माह दिसम्बर, 2023 के भीतर कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के मद से प्रत्येक गांव में न्यूनतम 02 गारबेज ट्रायसायकल की सुविधा ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छाग्राहियों को प्रदान की गई है।

205 ग्राम पंचायतों में घर-घर कचरा एकत्रीकरण का कार्य स्वच्छाग्राही स्व-सहायता समूह के माध्यम से प्रारंभ किया जा चुका है। अश्वनी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा शेष ग्राम पंचायतों में माह दिसम्बर, 2023 में कचरा एकत्रीकरण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये गये हैं।

ब्रह्माकुमारी कमला दीदी की प्रथम पुण्यतिथि पर ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन

रक्तदान करना परोपकार है इससे शरीर में कमजोरी नहीं आती-ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। पूर्व क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित इस शिविर में कुल 62 युनिट रक्त एकत्र कर एक एन.जी.ओ. को प्रदान किया गया जिसके द्वारा इस रक्त का निःशुल्क उपयोग थैलीसिमिया पीड़ित बच्चों के इलाज में किया जाएगा।

इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि रक्त दान करना पुण्य का काम है। हरेक व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए। आपके द्वारा प्रदत्त खून अनेक बच्चों को जीवन देने में मदद करेगा। उन्होंने रक्तदान करने वाले लोगों को बधायी देते हुए कहा कि आपने परोपकार का कार्य किया है जिससे आपको बहुतों की दुआएं मिलेगी। रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने सभी को रक्तदान के लिए उत्साहित करते हुए कहा कि इसलिए रक्तदान करने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। इससे किसी प्रकार की शरीरिक कमजोरी भी नहीं आती है क्योंकि जितना रक्त हम दान करते हैं उतना खून फिर से हमारा शरीर नया बना लेता है। हमारा रक्तदान किसी जरूरतमन्द व्यक्ति को जीवन दान देने में मदद कर सकता है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अब राज्य के 1705 मिडिल स्कूलों में शुरू की जाएंगी स्मार्ट कक्षाएं

रायपुर (ए)। छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनवाए जारहे हैं। अब तक 3633 स्कूलों में स्मार्ट क्लास बन चुके हैं। पहली बार मीडिल स्कूलों में भी स्मार्ट क्लास बनाए जाएंगे। इससे पहले हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में ही क्लासेस बनावाई गई हैं। एक माह में सभी स्कूलों में इक्यूपमेंट इंस्टॉल कर लिए जाएंगे।- इफत आरा, प्रबंध संचालक, स्कूल शिक्षा विभाग

राज्य में बच्चों की पढ़ाई को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए गवर्नमेंट स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनाए जा रहे है। गवर्नमेंट स्कूल के छात्र-छात्राओं को टेक्नोलॉजी फ्रेंडली बनाने के लिए अभी 1702 मीडिल स्कूलों में भी स्मार्ट क्लासेस बनाने की प्लानिंग की गई है। जल्द ही स्कूल के स्टूडेंट्स को स्मार्ट क्लास की फैसिलिटी भी मिलने लगेगी। इसके लिए लगभग 17 करोड़ 28 लाख की लागत से इक्यूपमेंट की खरीदी भी की गई है और स्कूलों में मटेरियल सप्लाय भी शुरू हो गए है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक राज्य के 3633 स्कूलों में स्मार्ट क्लास की सुविधा शुरू हो चुकी हैं। इस बार मीडिल स्कूल में पहली बार स्मार्ट क्लास बनाए जा रहे है। 2224 स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनाए जाने है 1705 में लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लगभग एक माह में ही सभी 1705 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस इंस्टॉल कर लिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ बोर्ड एग्जाम मार्च के पहले सप्ताह से

रायपुर। छत्तीसगढ़ बोर्ड के तहत दसवीं-बारहवीं की परीक्षा मार्च के पहले सप्ताह से शुरू होगी। इसकी समय-सारणी अगले सप्ताह जारी होगी। इसे लेकर तैयारी की जा रही है। पिछले दिनों बोर्ड एग्जाम के लिए आवेदन मंगाए गए थे। इस बार 6 लाख 10 हजार छात्रों ने फार्म भरा है। दसवीं में छात्रों की संख्या बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर बारहवीं में कम हुई है। उधर, प्रैक्टिकल एग्जाम 10 जनवरी से शुरू होंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से पिछले दिनों निर्देश जारी किए गए थे। स्कूल अपने स्तर पर प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन 31 जनवरी तक करेंगे। अफसरों का कहना है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल से नियुक्त किए गए बाह्य परीक्षक की देखरेख में ही स्कूल प्रैक्टिकल एग्जाम आयोजित करे।

स्वेच्छा से बाह्य निरीक्षक नियुक्त कर प्रैक्टिकल आयोजित न करें। यदि कोई स्कूल ऐसा करता है तो ऐसी प्रायोगिक परीक्षा का मान्य नहीं किया जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित स्कूल की होगी। बोर्ड परीक्षा मार्च में शुरू होगी और मार्च में ही खत्म होगी। जबकि रिजल्ट मई में जारी होंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ बोर्ड एग्जाम के तहत इस बार दसवीं में नियमित छात्रों की संख्या 341618 है। बारहवीं में 255746 नियमित छात्र हैं। जबकि प्राइवेट छात्रों की संख्या 10 हजार से अधिक है।

एयर फोर्स के पदों के लिए आवेदन 30 दिसंबर तक

रायपुर (ए)। इंडियन एयर फोर्स ने विभिन्न पदों के लिए वैकेंसी निकली है। इसके तहत फ्लाइंग, टेक्निकल, नॉन टेक्निकल, एंट्री आदि में भर्ती की जाएगी। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी इंडियन एयर फोर्स के ऑफिशियल वेबसाइट afcat.cdac.in/AFCAT पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके माध्यम से 317 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदन 30 दिसंबर तक किए जा सकते हैं।

डीकेएस में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती, वॉक इन इंटरव्यू 14 से

रायपुर (ए)। डीकेएस पीजी इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में असिस्टेंट प्रोफेसर, सीनियर और जूनियर रेसीडेंट के कुल 20 संविदा पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए वॉक इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। डीकेएस पीजी इंस्टिट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के अधीक्षक कार्यालय में गुरुवार 14 दिसंबर को साढ़े 12 बजे से इंटरव्यू होगा, जो आगामी आदेश तक चलेगा। रिक्त पदों की जानकारी डीकेएस हॉस्पिटल के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध होगी। पद और आवेदन संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट dkspgi.in का अवलोकन कर सकते हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस वीर शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्वः राज्यपाल हरिचंदन

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित समारोह में कहा कि हमारे वीर सशस्त्र बलों ने निस्वार्थ और उल्लेखनीय बहादुरी के साथ हमारे महान राष्ट्र की सेवा की है। झण्डा दिवस उनके और उनके परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने वीर नारियों एवं माताओं, वीरता अलंकरण विजेताओं, शहीद सैनिकों के परिजनों और झण्डा दिवस के अवसर पर विशेष योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया।

राज्यपाल हरिचंदन ने अपने उद्बोधन के दौरान इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि झण्डा दिवस निधि से लगभग 27 महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है जिससे हम अपने भूतपूर्व सैनिकों की उचित तरीके से देखभाल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने इस बात पर भी खुशी व्यक्त की कि राज्य सरकार ने भूतपूर्व सैनिकों के लिए ग्रुप सी के पदों में 10 प्रतिशत और ग्रुप डी में 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है इससे इन पूर्व सैनिकों को विभिन्न नौकरियों के रिक्त पदों में उचित लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिचंदन ने सैनिक कल्याण वेबसाईट ''फ्लेम'' का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस नये एप्लीकेशन में हमारे भूतपूर्व सैनिकों के लिए सभी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हैं। यह एप्लीकेशन कल्याणकारी योजनाओं के पंजीकरण और कार्यान्वयन की प्रक्रिया को बहुत सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाएगा। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों से आग्रह किया कि वे नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करें और खुद को लगातार अपग्रेड करते रहें। श्री हरिचंदन ने भूतपूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिजनों को आश्वस्त किया कि सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी हैं। राज्यपाल ने झण्डा दिवस के अवसर पर 2 लाख रूपए की सहयोग राशि राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड को प्रदान की।

समारोह की शुरूआत में शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का प्रतीक बैज लगाकर श्री हरिचंदन को सम्मानित किया गया। जिला सैनिक अधिकारी कैप्टन अनुराग तिवारी ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के संदेश का वाचन किया।

समारोह में झण्डा दिवस निधि संग्रहण के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राज्यपाल ने रायपुर और दुर्ग के जिला कलेक्टरों और जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों को राज्यपाल ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के ब्रोशर संक्षेपिका-2023 का भी विमोचन किया गया। एनसीसी कैडेटों ने ओजपूर्ण देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम में गृह विभाग छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, गृह विभाग के सचिव अरूणदेव गौतम, सचिव गृह विभाग बसव राजू, राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ के संचालक ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी तथा भूतपूर्व सैनिक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

कालीबाड़ी और लोधीपारा चौक का जाम खत्म, बैजनाथपारा में अभी भी शेड के ढांचे

रायपुर (ए)। राजधानी में गुरुवार को चौथे दिन भी बाजार और भीड़ वाली सड़कों पर बुलडोजर अवैध कब्जे साफ करता घूमता रहा। लोधीपारा चौक के चारों ओर के कब्जे हटाने के साथ ही वहां लगने वाला जाम खत्म हो गया। कालीबाड़ी चौक पर भी महिला थाने की ओर से आने वाला ट्रैफिक पूरी तरह से व्यवस्थित हो गया। यहां भी रोड को घेरकर पक्का निर्माण कर लिया गया था।

सड़क किनारे के ठेले और गुमटियों के अलावा डंगनिया रोड पर डिवाइडर के बीच लगने वाले ग्लो साइन बोर्ड तक को उखाड़ दिया गया। शहर ही नहीं आउटर की सड़कों के किनारे लगने वाले ठेलों और गुमटियों को हटाया जा रहा है। गुरुवार को सुबह से नगर निगम और पुलिस की टीम कब्जा हटाओ अभियान के तहत सड़क पर उतर गई। लोधीपारा चौक पर सड़क कि किनारे लगने वाले ठेलों और गुमटियों के कारण रोज सुबह और शाम के समय ट्रैफिक जाम होता था। सड़क का कब्जा हटने के बाद यहां ट्रैफिक उस तरह से नहीं फंस रहा जैसा रोज होता था। यही स्थिति कालीबाड़ी चौक की थी। महिला थाने की ओर से आने वाला ट्रैफिक ठीक मोड़ पर कब्जों की वजह से फंसता था। वहां के कब्जों को पूरी तरह तरह से हटा दिया गया। कालीबाड़ी अस्पताल की दीवार से लगे कब्जों को भी हटा दिया गया।

अहातों पर अभी तक कार्रवाई नहीं

शराब दुकान परिसरों में चल रहे अहातों पर गुरुवार को भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। सभी अहाते अवैध तरीके से धड़ल्ले से चल रहे हैं। इन अहातों की वजह से हर रोज सड़कों पर जाम लगने के साथ ही आसपास की बड़ी आबादी परेशान हो रही है। इसके बावजूद, पुलिस, निगम और प्रशासन की टीम इन अहातों को बंद नहीं करवा रही है। शहर में दो दर्जन से ज्यादा जगहों पर अहाते चल रहे हैं। आबकारी विभाग के आला अफसरों का कहना है कि आबकारी अधिनियम के तहत किसी भी शराब दुकान के बाहर या परिसर में अहाता या शराब पीने की व्यवस्था नहीं की जा सकती है। यह गैरकानूनी है।

विद्यार्थियों ने जगन्नाथ-पुरी में एनजीओ का किया शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने जगन्नाथ-पुरी में कार्य करने वाली प्रमुख समाजिक संस्था गोपा-बंधु सेवा परिषद् का किया शैक्षणिक भ्रमण किया। यह संस्था महिलाओं को मासिक धर्म से सम्बंधित विषयों पर जागरूक करने का कार्य करती है। साथ ही यह संस्था शिक्षा और जीवन-रक्षा के क्षेत्र में भी कार्य कर रही है। यह संस्था 1999 से संचालित है। तथा विभिन विषयों में जागरूकता के लिए सतत प्रयास कर रही है।

विद्यार्थियों ने अपने प्रवास के दौरान जगन्नाथ-पुरी स्थित प्रसिद्द मंदिर के साथ ही कोणार्क के सूर्य मंदिर, समुद्र तट एवं चिल्का झील का भ्रमण किया। इस अवसर पर चिल्का में रहने वाले स्थनीय लोगों से चर्चा भी की। इस प्रवास के दौरान समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मो. रफीक, प्राध्यापक प्रो. रुख्मणि अग्रवाल तथा महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी तुलाराम मांडले के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। गौरतलब है कि समाज कार्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों को समय समय पर विभिन्न एनजीओ का भ्रमण कराया जाता है, ताकि उन्हें उन्हें विषय के अध्ययन के साथ ही गैर सरकारी संस्थाओं के की कार्य शैली की व्यावहारिक जानकारी भी मिल सके। महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष तथा महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ वीके अग्रवाल, समिति के सचिव तथा महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल तथा प्राचार्य डॉ युलेन्द्र कुमार राजपूत ने इस शैक्षणिक भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए अकादमिक दृष्टि से उपयोगी बताया।

तेज हवा से खेतों में गिरी धान की फसल, 15 फीसद कटाई अब भी बाकी

रायपुर (ए)। बेमौसम बारिश होने से किसानों को जबरदस्त क्षति पहुंचा है। रायपुर जिले में अभी करीब 15 प्रतिशत धान की कटाई करने के लिए बचा हुआ है। तेज हवा से खेतों में धान की पौधे गिर गए हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जो धान अभी खेतों कटाई करने के लिए बचा है उस किसानों को ज्यादा नुकसान उठना पड़ेगा। किसानों को राहत देने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों ने आंकलन शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि बारिश से धान को ज्यादा नुकसान तो नहीं पहुंचा है। हालांकि धान की रंग में प्रभाव पड़ रहा है। यानी चावल की क्वालिटी पर कोई असर नहीं होगा। मंडियों में भी धान आसानी से बिक जाएगी। अभी दो से तीन दिन इसी तरह से मौसम होने से धान की फसल समेत सब्जी, बागवानी, दलहन-तिलहन के फसलों को काफी नुकसान होने की संभावना है।

खेत में रखे पैरा खराब

हार्वेस्टर और थ्रेसर मशीन से मिंजाई करने के बाद किसान खेतों में पैरा को छोड़ दिया है। बारिश के वजह से पैरा सड़ रहा है। इससे आने वाले दिनों में मवेशियों को चारा की समस्या उत्पन्न हो सकती है। बताया जाता है कि किसान धान को जरूर घर, मंडी तक पहुंचा चुके हैं, लेकिन पैरा नहीं ले जाने के कारण इस तरह की स्थिति निर्मित हो रही है।

धान उपार्जन केंद्र में नहीं पहुंच रहे किसान

बारिश के कारण किसान धान उपार्जन केंद्र में नहीं पहुंच रहे हैं। इस कारण कई जगह धान खरीदी भी बंद हो गई है। दूसरी ओर मंडी प्रबंधक भी अभी धान में नमी की वजह से लेने के लिए कतरा रहे हैं। बताया जाता है कि मौसम खराब होने के लिए स्थिति में धान खरीदी तीन से पांच दिन के लिए रूक सकती है।

सब्जियों को ज्यादा नुकसान

किसान रामकुमार सोनकर ने बताया कि सब्जियों की खेती को नुकसान ज्यादा हुआ है। अभी टमाटर, गोभी, बरबट्टी, करेला, सेमी आदि को। इसी तरह मौसम से होने से कीट प्रकोप का खतरा है। बागवानी समेत दलहन-तिलहन की फसलों को जबरदस्त नुकसान पहुंचा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

आपकी वॉशिंग मशीन है कीटाणुओं का घर, ऐसे करें बचाव

पिछले दिनो जर्मनी में बच्चों के एक अस्पताल में नवजात शिशुओं को पहनाए जाने वाले कपड़ों पर बीमारी पैदा करने वाले कीटाणु पाए गए। इन कीटाणुओं पर अधिकतर दवाएं असर नहीं कर रहीं थी। ऐसा इस अस्पताल द्वारा स्वच्छता के लिए अपनाए जाने वाले तमाम मानकों को लागू करने के बावजूद था। जांच करने पर पता चला कि यह खतरनाक कीटाणु अस्पताल की लॉन्ड्री से आ रहा था।

विशेषज्ञों की राय में आज के दौर की अत्याधुनिक वॉशिंग मशीनों में कीटाणु नष्ट करने की क्षमता पुरानी पारंपरिक मशीनों से काफी कम होती है। अप्लाइड एंड एन्वायरमेंटल माइक्रोबायोलॉजी पत्रिका में छपे शोध के मुताबिक जर्मनी के उस अस्पताल में भर्ती बच्चों की किस्मत अच्छी थी कि वो इन कीटाणुओं की चपेट में आने से बच गए।

आपकी वॉशिंग मशीन में क्या है?

अब सवाल यही उठता है कि अगर आधुनिक मशीनों में बैक्टीरिया मिल रहे हैं तो आपकी वॉशिंग मशीन कितनी सुरक्षित है। आजकल की मशीनें ठण्डे पानी से भी कपड़े धो देती हैं। इसके बाद मशीन के अंदर ही इन्हें लगभग आधा सुखा कर निचोड़ भी दिया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इन मशीनों की रबर सील में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो धीरे धीरे पूरी मशीन में फैल जाते हैं। यही बैक्टीरिया आपके कपड़ों के जरिए आपकी शरीर मे कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

कितने खतरनाक हैं ये बैक्टीरिया ?

यनिवर्सिटी ऑफ बॉन में विश्व स्वास्थ्य केन्द्र के इंस्टिट्यूट ऑफ हायजीन एंड पब्लिक हेल्थ के निदेशन डॉ। मार्टिन एक्सनर के मुताबिक स्वच्छता मुहिम से जुड़े लोगों के लिए यह एक बढ़ती चुनौती है। क्योंकि बीमारी की जड़ घर पर ही पैदा हो रही है और हर रोज बढ़ती जा रही है। हालांकि न्यू यॉर्क के नॉर्थ शोर यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के डॉ। ब्रूस हिर्श्स इसे इतना बड़ा खतरा नहीं मानते। उनका कहना है कि इस तरह के बैक्टीरिया वैसे भी हमारे आसपास मंडराते रहते हैं। थोड़ी सी सावधानी रखने से इस चुनौती से निपटा जा सकता है।

वॉशिंग मशीन की सफाई बेहद जरूरी

कपड़ों की सफाई और उनकी स्वच्छता पर खास ध्यान दें। लेकिन यदि आपके घर कोई बुजुर्ग या नवजात बच्चा है तो यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मशीन को ऐसी जगह बिलकुल ना रखें जहां उमस भरा महौल हो। इससे कीटाणु पनपने की आशंका और बढ़ जाती है। इन कीटाणुओं से आपको निमोनिया, चर्मरोग और डायरिया जैसी बीमारियां हो सकतीं हैं। इसलिए जरुरी है कि आप अपनी वॉशिंग मशीन को साफ रखें। अगर आप दाग धब्बे या किसी तरह का खून, शरीर से निकला हुआ कोई पदार्थ लगा हुआ कपड़ा अपनी वॉशिंग मशीन में धोते तो इसे गरम पानी में ही धोना चाहिए। इसके अलावा समय-समय पर अपनी वॉशिंग मशीन को डिस्इंफेक्टैंट से भी साफ करना आवश्यक है।

बंद कर दीजिए डायट पिल्स लेना

हो सकते हैं इटिंग डिसऑर्डर का शिकार

गर्ल्स और यंग फीमेल्स के बीच डायट पिल्स और लैक्सेटिव्स पिल्स (जुलाब की टैबलेट्स) काफी लोकप्रिय हैं। इसका कारण है कि वे अपने खाए हुए खाने को बॉडी में स्टोर नहीं होने देना चाहतीं ताकि उनका वेट कंट्रोल में रहे और वे स्लिम बनी रहें। लेकिन हालह ही हुई एक नई स्टडी में यह बात सामने आई है कि जो गर्ल्स इस तरह की डायट पिल्स का इस्तेमाल करती हैं, उनमें इटिंग डिसऑर्डर होने के चांस बहुत अधिक होते हैं। इस स्टडी के लिए पूरे 15 साल रिसर्च कार्य जारी रहा और इसमें 10 हजार गर्ल्स और फीमेल्स को शामिल किया गया। शोध में शामिल फीमेल्स की उम्र 14 से 36 साल के बीच रही। इन सभी महिलाओं में से किसी को भी ये पिल्स लेने से पहले इटिंग डिसऑर्डर की समस्या नहीं थी। इन महिलाओं में से डायटिंग पिल इस्तेमाल करनेवाली 1.8 प्रतिशत महिलाओं का कहना है कि डायट पिल्स लेना शुरू करने के 1 से 3 साल के भीतर उन्हें पहली बार इटिंग डिसऑर्डर की दिक्कत हुई। वहीं, लैक्सेटिव्स यूज करनेवाली 4.2 प्रतिशत महिलाओं को पहली बार इटिंग डिसऑर्डर की समस्या हुई।

यह स्टडी 21 नवंबर को अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ में ऑनलाइन पब्लिश की गई। रिसर्चर्स का कहना है कि वेट कंट्रोल के लिए फीमेल्स को इन दोनों ही तरह की पिल्स लेने से बचना चाहिए। क्योंकि लगातार इनके उपयोग और साइड इफेक्ट के कारण हाई ब्लड प्रेशर, लीवर डैमेज और किडनी फेल्यॉर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। वेट लूज करने के लिए हेल्दी टिप्स अपनाना ही ठीक है। क्योंकि हेल्दी बॉडी को पोषण की जरूरत होती है। फिजिकली ऐक्टिव रहकर बॉडी वेट को कंट्रोल करना सबसे सुरक्षित तरीका है।

बच्चों को जरूर सिखाएं खान-पान से जुड़े ये तौर तरीके

अपनी व्यस्ता के चलते हम अपने बच्चों को पूरा समय नहीं दे पा रहे हैं, आजकल यह समस्या ज्यादातर पैरंट्स की है। ऐसे में बच्चे उन जरूरी बातों से भी अनजान रह जाते हैं, जो उन्हें जरूर पता होनी चाहिए। अगर आप रोज बच्चों को वक्त नहीं दे पाते तो खान-पान से जुड़ी ये बातें बच्चों को किसी गेम या पिकनिक के दौरान बताएं। ताकि वे ध्यान से आपकी बातों को सुन, समझ और अपना सकें...

- कई ऐसे लोग होते हैं जिन्हें खाने के बाद आलस आ जाता है और वह सो जाते हैं लेकिन आप जानते हैं यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसा करने से आपका मोटापा बढ़ेगा। साथ ही पाचन संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। ये बातें बच्चों को बातों की तरह ही बताएं और अपने जीवन में भी उतारें ताकि आपको ऐसा करता देख बच्चा इन बातों पर यकीन कर सके।
- खाना खाने के तुरंत बाद फल खाना सही नहीं होता है। आयुर्वेद के अनुसार माना जाता है कि दोनों के सेवन करने से हमें पेट संबंधी समस्या हो सकती हैं। इसलिए हमें खाने के बाद फल नहीं खाना चाहिए। फल खिलाते समय बच्चे को यह बात जरूर बताएं।
- आप यह बात जानते हैं स्वस्थ्य शरीर के लिए सही समय में नहाना और खाना बहुत ही जरूरी होता है। कई ऐसे लोग भी होते हैं जो खाना खाने के बाद ही नहाना पसंद करते हैं लेकिन इससे उनकी सेहत में बुरा प्रभाव पड़ता है। क्योंकि खाना खाने के बाद नहाने से हमारे पेट के चारों ओर खून का प्रवाह तेज हो जाता है जिससे हमारी पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है जिससे कई समस्याएं होती हैं।
- कुछ लोग चाय के बहुत ज्यादा शौकीन होते हैं। उन्हें इस चीज की लत सी लग जाती है। इसी कारण वह खाना खाने के बाद तुरंत चाय पी लेते है। लेकिन आप जानते हैं कि इससे आपको पाचन संबंधी कई समस्या हो सकती हैं। इतना ही नहीं आपको असिडिटी की भी समस्या हो सकती है। चाय की जिद करने पर बच्चे को ऐसे समझाएं। क्योंकि बड़ों को चाय पीता देखकर बच्चे भी चाय पीने की जिद करते हैं।
- कहा जाता है कि खाना खाने के बाद थोड़ा चलने से हमारा खाना ठीक ढंग से पच जाता है। आयुर्वेद के अनुसार माना जाता है कि खाने के बाद तुरंत नहीं चलना चाहिए। थोड़ा रुककर वॉक करनी चाहिए, क्योंकि तुरंत चलने से हमारे पूरे शरीर को पोषण नहीं मिल पाता है और हमारी पाचन क्रिया भी कमजोर हो जाती है।

डीप नेक ड्रेस में जान्हवी कपूर ने शेयर कीं अबतक की सबसे बोल्ड तस्वीरें, तस्वीरें देख फैंस हुए बेहाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी बेहद बोल्ड तस्वीरें अधिकारिक इंस्टा अकाउंट पर पोस्ट की हैं। जान्हवी कपूर बॉलीवुड का एक जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। जान्हवी कपूर अपने चार्मिंग और बोल्ड लुक के लिए भी फैंस के बीच काफी पॉपुलर हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर जान्हवी अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं और हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें एक्ट्रेस बेहद हॉट नजर आ रही हैं। चमचमाती हुई वनपीस ड्रेस में जान्हवी का किलर लुक देख फैंस भी हैरान हैं। जान्हवी की यह ड्रेस काफी डीपनेक भी है इसलिए उनका लुक काफी बोल्ड नजर आ रहा है। तस्वीरों में जान्हवी कपूर की बोल्डनेस देखकर फैंस कमेंट बॉक्स में अलग अलग तरह से एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं। तस्वीरों को पोस्ट कर जान्हवी कपूर ने कैप्शन में लिखा है- चलते-फिरते डिनर। तस्वीरें पर यूजर्स ने कई कमेंट किए हैं। किसी ने लिखा खूबसूरत तो किसी ने स्टंड अगेन। एक यूजर ने लिखा आप बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हैं।

राची शर्मा ने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में किया खुलासा

टीवी शो कुमकुम भाग्य की फेम एक्ट्रेस राची शर्मा ने शेयर किया कि वह रील लाइफ की तरह रियल लाइफ में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती है। रणबीर (कृष्णा कौल) और प्राची (मुग्धा चाफेकर) के जीवन में एक चौंकाने वाले मोड़ के बाद कुमकुम भाग्य की पूरी कहानी अपने आप में बदल गई।

शो तेजी से 20 साल आगे बढ़ गया। अब शो की कहानी रणबीर- प्राची की बेटियों पूर्वी (रांची) और खुशी (सिमरन बुधरूप) के जीवन का अनुसरण करेगी। शो के बारे में बात करते हुए, राची ने कहा: फिलहाल हम कुमकुम भाग्य में पूर्वी-आशुतोष के सगाई सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं और मुझे लगता है कि मेजर सीक्रेंस में से एक का हाइलाइट मेरी ड्रेस और मेरी रिंग है, जो बहुत सुंदर है।

उन्होंने कहा, पूर्वी शो में ड्रेस और अपनी ज्वैलरी के साथ-साथ अपने घर को भी खुद ही चुनती हैं और यकीन मानिए मैं असल जिंदगी में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती हूं।

राची ने आगे कहा, इससे भी बड़ी बात यह है कि जब मैं बच्ची थी, तब से मैंने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में सोचा हुआ है और मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी रिंग और मेरी ड्रेस भी चुने। मैं चाहती हूं कि वह मेरे साथ मिलकर हर चीज की प्लानिंग करें, और जहां रील लाइफ में मेरा यह सपना पूरा हो गया है, तो मुझे उम्मीद है कि रियल लाइफ में भी यह सपना पूरा होगा। कुमकुम भाग्य जी टीवी पर प्रसारित होता है।

हमेशा रहना है फिट और फाइन तो बनाएं वर्क लाइफ बैलेंस

फिट एंड फाइन रहने के लिए लाइफ में वर्क लाइफ बैलेंस का होना बेहद जरूरी है। कामयाबी के लिए घंटों-घंटों तक मेहनत करना ठीक माना जाता है लेकिन खुशहाल और हेल्दी लाइफ के लिए काम और फैमिली के बीच बैलेंस बनाना चाहिए। इसे ही वर्क लाइफ बैलेंस कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो काम और फैमिली के बीच तालमेल रखना ही वर्क लाइफ बैलेंस कहलाता है। इस तालमेल के बिगड़ने से काफी कुछ बिगड़ सकता है। आइए जानते हैं वर्क लाइफ बैलेंस कैसे बना सकते हैं।

प्राथमिकता तय करें

एक समय में एक ही काम करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले प्राथमिकता तय करनी पड़ेगी। जो काम पहले जरूरी है उसे पहले करना चाहिए और गैरजरूरी कामों को बाद में करें। इससे पर्सनल लाइफ के लिए समय मिल जाता है।

छुट्टियां मैनेज करें

काम में जो छुट्टियां मिले, उसे सही तरह मैनेज करें, जिससे घर के किसी जरूरी इवेंट मिस न हो। ये बात समझनी चाहिए कि जिंदगी में जो समय आ रहे हैं, वो बीत जाएंगे और दोबारा नहीं आएंगे। फैमिली के साथ दोबारा टाइम भी नहीं मिलेगा। इसलिए ऑफिस के काम के साथ-साथ अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को भी वक्त दें।

टाइम को मैनेज करें

हर किसी के पास एक निश्चित समय है इसलिए टाइम को मैनेज करना सीखें। अगर एक काम निश्चित समय पर नही कर पा रहे है तो किसी दूसरे की मदद लें, इसके लिए कभी भी हिचकिचाएं नहीं। इससे काम आसानी से हो जाएगा और थकान भी आप पर हावी नहीं होगी।

खुद के लिए भी वक्त निकालें

ऑफिस और फैमिली के लिए वक्त निकालते-निकालते खुद को समय देना न भूलें। अपनी हेल्थ के लिए कुद के लिए समय निकालना चाहिए। इस वक्त में जो काम आपको खुशी दे, वही करें। इससे आप खुद को और दूसरों को खुश रख पाएंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अंतर्राज्यीय पुलिस जांच चौकी नवाटोला का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सूरजपुर। जिले के पंजीकृत पात्र किसान अपनी धान की फसल के प्रत्येक अन्न के दाने का मूल्य प्राप्त कर सके, इसे सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल बिहारपुर नवाटोला के अंतर्राज्यीय पुलिस जांच चौकी नवाटोला थाना चांदनी पहुंचे थे। जहां उन्होंने बैरियर में तैनात परिवहन, आबकारी, वन और पुलिस के जवानों को धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैरियर में अवैध धान परिवहन की जांच और कार्यवाही के लिए सभी अलर्ट मोड पर रहेंगे ताकि बिचौलियों को निष्क्रिय किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने अंतर्राज्यीय वनोपज जांच नाका के रजिस्टर की चेकिंग भी की। कलेक्टर ने बिहारपुर तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया। जहां उन्होंने भैयाथान एसडीएम को प्रत्येक शुक्रवार को लगने वाले मार्केट दिवस पर ब्लॉक लेवल के सभी अधिकारियों की उपस्थिति में जन समस्या निवारण गतिविधि के शुरुआत करने की बात कही ताकि आमजन की समस्याओं का निदान किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने वहां उपस्थित जनों से सामान्य चर्चा की और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और समस्याओं के आधार पर वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे थे। जहां उन्होंने उपस्थित डॉक्टर और स्टाफ से चर्चा की। उन्होंने मरीजों की सुविधाओं के संबंध में चर्चा की और उपस्थित डॉक्टर और नर्स स्टाफ को सेवा के स्तर को बेहतर से बेहतर करने के लिए कहा जैसे कि स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने वाला प्रत्येक मरीज यहां से निरोगी व संतुष्ट होकर यहां से जाए। गर्भवती महिलाओं को बेहतर से बेहतर सुविधा देने की बात उन्होंने की ताकि इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने 10 बिस्तर वाले एनआरसी का निरीक्षण भी किया।

जिले के प्रगतिशील कृषक शैलेश कुमार अटामी को मिला लखपति कृषक पुरस्कार

दन्तेवाड़ा। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार डिस्ट्रिक्ट मिलीनियर फार्मर आफ इंडिया अवार्ड 2023 का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 6 दिसंबर 2023 को किया गया था। जिसमें दंतेवाड़ा जिले के प्रगतिशील किसान श्री शैलेश कुमार अटामी को लखपति किसान पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो कि विगत दिनों में कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा द्वारा जिले के लखपति किसानों की जानकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली को भेजी गई थी। इसके अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा दंतेवाड़ा जिले के शैलेश कुमार अटामी का चयन किया गया। शैलेश कुमार अटामी ग्राम कासोली के प्रगतिशील कृषक हैं और 25 एकड़ रकबा में एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत धान, मूंग, सूरजमुखी, सब्जियां, अमरूद, नारियल, केले के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और मछली पालन का काम करते हैं। उक्त प्रगतिशील कृषक के पिता श्री बोसाराम अटामी भी कई वर्षों से कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े हुए हैं एवं उनको भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा पौधों की विविधता और किसान का संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है और वे भी कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा से समय-समय पर प्रशिक्षण एवं तकनीकी ज्ञान लेकर कृषि कार्य करते हैं और जिले के अन्य किसानों को प्रेरित करते हैं।

बेमौसम बारिश को देखते हुए धान के परिवहन पर विशेष ध्यान देते हुए करें कार्य - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में खरीफ वर्ष 2023-24 अंतर्गत किए जा रहे धान खरीदी कार्य की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को धान बिक्री करने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बेमौसम बारिश को देखते हुए धान के परिवहन पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करें। धान को बारिश से सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सभी धान उपार्जन केन्द्रों में धान को सुरक्षित रखने के लिए कैप कव्हर की व्यवस्था रखें। मिलर्स द्वारा धान का तेजी से उठाव किया जा रहा है। उन्होंने एफसीआई गोदाम में धान रखने के संबंध में निर्देश दिए। मिलर्स द्वारा लगातार धान का उठाव होते रहना चाहिए। शनिवार एवं रविवार को भी धान का उठाव होते रहे। खाद्य अधिकारी भूपेन्द्र मिश्रा ने बताया कि जिले के सभी 96 धान उपार्जन केन्द्रों में 1 नवम्बर 2023 से किसानों से धान खरीदी की जा रही है। जिले में पंजीकृत किसानों की कुल संख्या 1 लाख 28 हजार 34 है, धान उपार्जन केन्द्रों से 64 धान उठाव करने वाले मिलर्स को 55116.72 मीट्रिक टन धान मिलर को प्रदाय किया गया है। 125101.32 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी कर दिया गया है। इस अवसर पर जिला विपणन अधिकारी प्रियंका देवांगन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सीईओ सुधीर सोनी, डीएम नान पीसी गोपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लोकसभा में फिर उठी देवभोग को रेल मार्ग से जोड़ने की मांग

ध्यानाकर्षण में महासमुंद लोकसभा सांसद चुन्नीलाल साहू ने रखा अपना पक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा के शीतकालीन सत्र में एक बार फिर से जिले के अंतिम छोर में बसे देवभोग को रेलमार्ग से जोड़ने की मांग उठी है। इसे लेकर महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद चुन्नीलाल साहू ने बुधवार को सत्र में ध्यानाकर्षण के दौरान मामला उठाया। सांसद ने नियम 377 के अधीन मामला उठाते हुए देवभोग और जिला मुख्यालय गरियाबंद को रेलमार्ग से जोड़ने की मांग रखी।

उल्लेखनीय है कि गरियाबंद जिले,विशेषकर देवभोग को रेल मार्ग से जोड़ने की मांग वर्षो से उठते रही है। इसे लेकर पूर्व में कई लोकसभा में सर्वे की मांग की गई।एक बार फिर लोकसभा में रेलमार्ग का मुद्दा उठा है। हालाकि इस बार इसे लेकर कार्यवाही की प्रबल संभावना नजर आ रही है।कारण कि ओडिशा में जुनागढ़ तक रेल मार्ग आ चुकी है जिसकी देवभोग से दूरी महज 25 किमी है वही रायपुर से राजिम तक रेलमार्ग का काम जारी है जिसे राजिम से गरियाबंद 45 किमी दूर आगे बढ़ाया जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक लोकसभा सत्र के तीसरे दिन 6 दिसम्बर को सांसद चुन्नीलाल साहू ने ध्यानाकर्षण के दौरान गरियाबंद जिले को रेलमार्ग से जोड़ने का प्रश्न उठाया है। नियम 377 के अधीन अपनी मांग रखते हुए सांसद ने कहा है कि गरियाबंद जिला मुख्यालय से 127 किमी दूर देवभोग विकासखंड सीमावर्ती उड़ीसा राज्य के जूनागढ़ रेलमार्ग में जोड़ने से क्षेत्र के लोगों को राजधानी रायपुर आने जाने एवं शिक्षा, चिकित्सा या व्यापार से जोड़ने में सुविधा होगी। ओडिशा के धरमजयगढ़ और जूनागढ़ तक रेलमार्ग आ चुका है। यहां से देवभोग की दूरी महज 25 किमी है। राजधानी रायपुर से जूनागढ तक प्रतिदिन पेसेंजर ट्रेन संचालित है। जिसे देवभोग तक आसानी से बढ़ाया जा सकता है। यह क्षेत्र पूर्वी-तटीय रेल अंतर्गत आता है। इसके बनने से इस क्षेत्र के लोगो को सुविधा मिलेगी।

राजिम से गरियाबंद तक बड़ी लाइन संभव

इसके अलावा सांसद ने राजधानी रायपुर से गरियाबंद जिले के राजिम तक प्रगतिरत रेलमार्ग को राजिम से आगे जिला मुख्यालय गरियाबंद तक बढ़ाने की मांग रखी। सांसद ने कहा कि रायपुर से राजिम छोटी लाइन से बड़ी लाइन परिवर्तित करने का कार्य प्रगतिरत है। इसे गरियाबंद तक आगे बढ़ाने से गरियाबंद जिला मुख्यालय भी सीधे राजधानी रायपुर से रेलमार्ग से जुड़ जाएगा। इससे गरियाबंद से रोजाना राजधानी जाने वाले हजारो लोगो को राहत मिलेगी। आर्थिक लाभ भी मिलेगा। व्यापार व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा।

रिजर्व एरिया के चलते बाधा

मालूम को गरियाबंद जिले में मैनपुर विकासखंड में उदंती अभ्यारण्य तथा सघन वन व टाईगर रिजर्व एरिया कोर क्षेत्र) होने के चलते यहां नेशनल हाईवे रायपुर देवभोग का कार्य भी पर्यावरण विभाग से अनुमति के प्रत्याशी में लंबित है, निर्माण कार्य में विलंब हो रहा है। जिसे देखते हुए देवभोग को जूनागढ़ रेलमार्ग से जोड़े जाने से लोगो को राजधानी आने जाने में राहत मिलेगी। ज्ञात हो कि इसके पहले भी सांसद चुन्नीलाल साहू ने रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से व्यक्तिगत रूप से मिलकर गरियाबंद जिले एवं देवभोग को रेलमार्ग से जोड़ने की मांग रखी थी।

बस्तामुक्त विद्यालय के अध्ययनरत 80 बच्चों को मोनों युक्त स्वेटर वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। क्षेत्र के प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह के छात्र-छात्राओं को इस भीषण ठंड से बचाने की खातिर संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी की मांग पर बिश्रामपुर के समाज सेवी श्री गुरमीत सिंह बग्गा के द्वारा अध्यनरत 80 छात्र-छात्राओं के लिए स्कूल की मोनो लगी नीली स्वेटर व्यवस्था की गई। इन स्वेटरों को संस्था की एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती एनवति राजवाड़े, रामनगर शैक्षिक समन्वयक विजेंद्रलाल जायसवाल, डबरीपारा रामनगर के शिक्षक मोहम्मद मुश्ताक अली व राजवाड़े जी की गरिमामयी उपस्थिति में वितरित किया गया। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा हमारे संवाददाता से चर्चा में बताया गया कि संस्था में अध्यनरत बच्चों को अशासकीय प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर वर्ष 2015 से ही समाज सेवियों के जन सहयोग के माध्यम से प्राप्त स्वेटर और टोपी को वितरित करने का कार्य किया जाता रहा है। इस वर्ष यह पहला अवसर है जब संस्था में अध्ययन पत्र छात्र-छात्राओं को संस्था की मोनो युक्त स्वेटर प्रदान किया जा रहा है। संस्था की प्रधानमंत्री सुश्री अंजू राजवाड़े द्वारा मोनो युक्त स्वेटर प्राप्त होने से प्रसन्नता जाहिर कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हमारे संवाददाता से बताया कि प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर विद्यालय की मोनो युक्त स्वेटर मिलने से हमें भी प्राइवेट स्कूल मॉडल स्कूल में अध्ययन-अध्यापन का एहसास मिला है। यह स्वेटर हमें ना केवल ठंड से बचाएंगे अपितु हमारे अंदर के प्राइवेट स्कूल में ना पढ़ पाने के अभाव भाव को समाप्त करने का कार्य किया है।

विंग कमांडर ने सैनिकों के कल्याण के लिए दान करने की अपील की

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। सशस्त्र सेना झंडा दिवस भारतीय सेना की बहादुरी,त्याग व समर्पण के सम्मान में एवं वीर शहीदों की स्मृति में 07 दिसंबर को कलेक्टोरेट में हर्ष के साथ मनाया गया। इस परिप्रेक्ष्य में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त विंग कमांडर जेपी पात्रो द्वारा अपर कलेक्टर सीपी बघेल तथा अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को सशस्त्र सेना ध्वज प्रतीक लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा हेतु शहीद सैनिकों की विधवाओं, भूतपूर्व सैनिकों एवं सेना में सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास तथा कल्याणकारी योजनाओं के लिये अधिक से अधिक दान देकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान करें। वहीं अपर कलेक्टर सीपी बघेल ने इस नेक पहल में उदारता एवं मुक्तहस्त से सहयोग प्रदान कर अनुग्रहित करने का आग्रह आम नागरिकों से किया।

गौरतलब है कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस समस्त नागरिकों के लिये देश की रक्षा के लिए विषम एवं दुर्गम इलाकों में सेवारत् सैनिकों और वीर शहीदों के परिवार व भूतपूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का उत्तम अवसर है, जिसमें सभी नागरिक दिल खोलकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में बढ़ चढ़कर योगदान दे सकते हैं।सशस्त्र सेना झंडा दिवस की यह राशि घायल सैनिकों के पुनर्वास, शहीद सैनिकों के परिवार को आर्थिक सहायता एवं भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों हेतु कल्याणकारी योजनाओं एवं पुनर्वास में उपयोग की जाती है। विदित हो कि दान की गई समस्त राशि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 के अंतर्गत आयकर से मुक्त होगी।

राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान में इनाकॉमएमएम की उत्साही भागीदारी और व्यावहारिक सत्रों के साथ हुई शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपु। मशीनों और मैकेनिज्म पर आधारित बहुप्रतीक्षित छठा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन iNaCoMM 2023 7 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में जोरदार तरीके से शुरू हुआ। प्रेरक राष्ट्रीय गीत और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों के बीच एकता और सहयोग की भावना पैदा की।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. एस.के. राजना ने विशिष्ट अतिथियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष, डॉ. एस. सान्याल ने प्रायोजकों को उनके भौतिक और भावनात्मक दोनों तरह के महत्वपूर्ण समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर के ज्ञान का हवाला देते हुए कहा, अगर हम इसे प्राप्त करने की क्षमता पैदा करते हैं तो वह सब कुछ हमारे पास आता है जो हमारा है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रमुख डॉ. एस.एल. सिन्हा ने कार्यक्रम को संभव बनाने में प्रायोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

एनआईटी रायपुर की माननीय प्रभारी निदेशक डॉ. ए.बी. सोनी ने दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी की अपरिहार्य भूमिका पर जोर देते हुए एक भावपूर्ण भाषण दिया। उन्होंने डिजिटली कनेक्टेड वाहनों और स्मार्ट शहरों के निर्माण में प्रौद्योगिकी के संभावित अनुप्रयोग जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए विभिन्न तंत्रों के उपयोग पर प्रकाश डाला। एएमएम के अध्यक्ष और आईएनएसीओएमएम-2023 के सम्माननीय अतिथि डॉ. सी. अमरनाथ ने आयोजन की पृष्ठभूमि, इसकी शुरुआत और सिद्धांत, विश्लेषण और निर्माण को शामिल करते हुए मेकनिजम के क्षेत्र में इसके योगदान के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. अमरनाथ ने उद्योग जगत के पेशेवरों का स्वागत किया और उनसे सहयोगात्मक समस्या-समाधान के लिए इस मंच पर अपनी मेकनिजम-संबंधी चुनौतियों को साझा करने का आग्रह किया।

डॉ. शैलेन्द्र वी. गाड़े, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और महानिदेशक (आर्मामेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग सिस्टम्स डीजी (एसीई), डीआरडीओ पुणे) के मुख्य व्याख्यान में छोटे हथियारों, भारी तोपखाने, युद्ध टैंक,लड़ाकू विमान और इजेक्शन सिस्टम में तंत्र के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. गाड़े ने इन अनुप्रयोगों के लिए सामग्री विकसित करने में सामग्री वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इसके बाद आईआईटी रूड़की के प्रोफेसर डॉ. पी. एम. पाठक ने प्रो. बी. एम. बेलगामकर मेमोरियल लेक्चर-1 दिया, जिसमें उन्होंने अपनी रोबोटिक लैब के काम की चर्चा की और जमीनी और हवाई अनुप्रयोगों के लिए हाइपर-अनावश्यक रोबोटों के डिजाइन और विकास पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए स्नेक रोबोट, कृषि बॉट, ड्रोन और इससे संबंधित चुनौतियों के लिए विभिन्न मेकेनिजम के बारे में बताया। इसके बाद का सत्र डॉ. क्विंगाओ ली की आकर्षक पूर्ण वार्ता के साथ शुरू हुआ। अपनी प्रस्तुति के दौरान, डॉ. ली ने एक्सोस्केलेटन डिजाइन के अभिनव दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, मानव चाल चक्र के दौरान जैव रासायनिक ऊर्जा संचयन के आकर्षक क्षेत्र पर प्रकाश डाला। उन्होंने पशु ट्रैकिंग सिस्टम के लिए ऊर्जा स्रोत के रूप में इस तकनीक के संभावित अनुप्रयोगों के बारे में बताया और ,वन्यजीव निगरानी व माइक्रोग्रैविटी के दौरान इसकी उपयोगिता की जानकारी दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विश्व स्वयंसेवक दिवस पर कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा की रेड रिबन क्लब तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा एचआईवी एड्स तथा रक्तदान के संबंध में युवाओं को जागरूक करने हेतु व्याख्यान तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शासकीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सालय संबद्ध इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय कोरबा के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने रेड रिबन क्लब के स्वयंसेवकों का उन्मुखीकरण करते हुए कहा कि एचआईवी वायरस हवा में जिंदा नहीं रहता यह मनुष्यों से मनुष्यों में ही फैलता है। एचआईवी के संबंध में जितनी अधिक जानकारी युवाओं व समाज को होगी एचआईवी एड्स की बीमारी के विस्तार को कम करने में उतनी अधिक मदद मिलेगी। उन्होंने युवाओं को सुरक्षित जीवन जीते हुए स्वयं जागरूक रहकर अन्य लोगों को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया। छत्तीसगढ़ एड्स नियंत्रण समिति तथा उच्च शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित रक्तदान हेतु जागरूकता शिविर में डॉ. जी.एस. जात्रा ने कहा की रक्तदान के अनेकों फायदे हैं आप नियमित रक्तदान करते हैं तो स्वस्थ रहेंगे अनेक बीमारियों से बचेंगे, अनेकों की जान बचाएंगे व रक्तदान कर गर्व का अनुभव करेंगे। एक स्वस्थ युवा को वर्ष में तीन बार रक्तदान करना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर शाउमावि भैसमा के कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार साहू एसबीआई लाइफ के प्रकाश गुप्ता, संदीप वर्मा, वरिष्ठ स्वयंसेवक खेमसागर साहू, कृष्ण श्रीवास, आशुतोष कंवर, जीशान खान, दामिनी देवांगन, यश कुमार कंवर सहित 21 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। रासेयो स्वयंसेवक करन सोनी, जसवंत बरेठ, सीमा शर्मा आदि ने प्रथम बार रक्तदान कर गर्व का अनुभव किया। रासेयो जिला संगठक वाय.के. तिवारी ने अपने पुत्र देवांश कुमार तथा कार्यक्रम अधिकारी जी.एम. उपाध्याय ने भी रक्तदान किया। जिला चिकित्सालय की रेडक्रोस इकाई की ओर से महाविद्यालय को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हेड सुनील बोरकर, ऑपरेशन मैनेजर रजनीकांत साहू तथा जूनियर ऑफिसर राजकिशोर ने उपस्थित होकर सभी रक्तदाताओं के कार्यों की प्रशंसा करते हुए एचडीएफसी बैंक की ओर से बैग भेंटकर सम्मानित किया।

मृदा एवं जलः जीवन का एक स्त्रोत के विषय पर मनाया गया विश्व मृदा दिवस

गरियाबंद। कृषि विज्ञान केन्द्र,गरियाबंद में विश्व मृदा दिवस के अवसर पर 5 दिसम्बर को मृदा एवं जल जीवन का एक स्त्रोत के विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मनीष चौरसिया ने कृषि वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों एवं कृषकों की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कृषकों को विश्व मृदा दिवस के महत्व तथा मृदा एवं जल के संरक्षण के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक मनीष कुमार आर्या ने कृषकों मिट्टी को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर परीक्षण करवाने, जैविक खेती एवं संतुलित उर्वरक उपयोग करने की जानकारी देते हुए मृदा नमूना लेने का तरीका, मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वाथ्य पत्रक के माध्यम से फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन के महत्व को बताया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

लोन खत्म करने का झांसा, डिप्टी डायरेक्टर से 72 हजार की ठगी

रायपुर। अभियोजन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर यास्मीन खान से 72 हजार की ऑनलाइन ठगी हो गई। ठग ने फोन कर लोन की किस्त खत्म करने का झांसा दिया।

उप संचालक झांसे में आ गईं और अलग-अलग किस्तों में पैसा जमा कर दिया। ठग ने जब और पैसों की डिमांड की, तब शक हुआ। उन्होंने सीधे कंपनी में बात की तो फर्जीवाड़ा सामने आया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने ठगी का केस दर्ज कर लिया है। हालांकि की घटना एक साल पुराना है। पुलिस ने जांच शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि फॉरेस्ट कॉलोनी निवासी हिना यास्मीन खान अभियोजन विभाग में उप संचालक हैं। उन्होंने बजाज फाइनेंस से पिछले साल 1.10 लाख का कर्ज लिया था। उसकी किस्त जमा हो रही है। उन्हें पिछले साल दिसंबर में फाइनेंस कंपनी के नाम से फोन आया। यास्मीन ने ठग के दिए क्यूआर कोड से अलग-अलग किस्त में 72 हजार रुपए जमा कर दिए। ठग इसके बाद 57 हजार और मांगने लगा। तब शक हुआ।

निरीक्षक शैलेंद्र होंगे कोमाखान के टीआई

महासमुंद। निरीक्षक शैलेंद्र कुमार नाग को कोमाखान थाना का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्तमान में अजाक थाना प्रभारी के रूप में पदस्थ शैलेंद्र कुमार नाग को आगामी आदेश तक कोमाखान थाना प्रभारी बनाया गया है। इससे पहले कोमाखान थाना प्रभारी रहे रामअवतार पटेल कुछ दिन पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं।

अवैध शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

महासमुंद। अवैध रूप से बिक्री के रखी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। मामला पिथौरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 5 दिसंबर को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कौहाकुड़ा में रेड कार्रवाई करते हुए गांव के अरूण कुर्रे (24) को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 900 मिली महुआ शराब कीमती 180 रुपए को जब्त किया गया। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट 34 (ए) के तहत कार्रवाई की गई।

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ पकड़ाया बदमाश, घर पर छिपा रखी थी नशीली दवा, रायगढ़ पुलिस की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली प्रतिबंधित सिरप के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने युवक के घर पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने 6 कार्टून में भरी 1140 नग प्रतिबंधित नशीली कफसिरप की जब्त की। बाजार में उक्त सिरप की कीमत 2 लाख रुपए से ज्यादा है। आरोपी युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। मामला जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

बता दें रायगढ़ जिले में एसएसपी सदानंद कुमार के दिशा निर्देश पर नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में घरघोड़ा, तमनार और लैलूंगा क्षेत्र अवैध रूप से नशीली दवाओं (प्रतिबंधित कैप्सूल और सिरप) के अवैध बिक्री की सूचनाओं पर एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन पर अभियान चलाकर इस अवैध कारोबार से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई कर अंकुश लगाया गया तथा क्षेत्र के समस्त थाना प्रभारीगण मुखबिर व स्टाफ लगाकर निगाह रखा जा रहा है।

इस बीच बुधवार कको घरघोड़ा थाना प्रभारी शरद चंद्रा को मुखबिर से सूचना मिली कि सतनामी मोहल्ला घरघोड़ा में रहने वाला दीपक वारे अपने घर पर अवैध बिक्री के लिए भारी मात्रा में नशीली सिरप छिपाकर रखा हुआ है। सूचना के बाद थाना प्रभारी द्वारा सुनियोजित तरीके से राम 9 बजे अपने स्टाफ के साथ दीपक वारे के घर पर रेड की। पुलिस टीम की छापेमारी में संदेही दीपक वारे के आंगन शौचालय के बगल में 6 कार्टूनों में भारी मात्रा में कफसिरप रखा हुआ मिला। विवेचक द्वारा दीपक वारे को सिरप का दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया जिसके पास प्रतिबंधित सिरप की बिक्री व रखने के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं था।

इसके बाद पुलिस ने विधिवत कार्रवाई करते हुए दीपक वारे के पास से 1140 नग नशीली कफसिरप कीमत करीब 2 लाख रुपए जब्त किया गया। आरोपी दीपक वारे के खिलाफ धारा 21 एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई कर रिमांड पर भेजा गया। आरोपी दीपक वारे पर पूर्व में भी आबकारी व एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई घरघोड़ा पुलिस द्वारा की गई है। आरोपी की गतिविधियों को देखते हुए थाना प्रभारी घरघोडा निरीक्षक शरद चन्द्रा द्वारा अपने स्टाफ व मुखबिर लगा रखे थे। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा, थाना प्रभारी शरद चन्द्रा, सहायक उप निरीक्षक राजेश मिश्रा, प्रधान आरक्षक राकेश राठौर, आरक्षक उद्यो पटेल, प्रहलाद भगत, प्रेम सिंह राठिया महिला आरक्षक रश्मि तिर्की की अहम भूमिका रही है।

ओड़िशा से गांजा लेकर जा रहे थे एमपी गौरेला पुलिस की पकड़ में आए चार तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला। छत्तीसगढ के जीपीएम जिले के गौरेला पुलिस को अंतराज्यीय गांजा तस्करों को पकड़ने में सफलता मिली है। ओड़िशा से गांजा लेकर बिलासपुर के रास्ते मध्यप्रदेश के अनुपपुर जा रहे चार तस्कर गौरेला पुलिस की गिरफ्त में आए। पुलिस ने इन तस्करों के पास कुल 160 किलो गांजा, दो कार व 5 मोबाइल हैंडसेट जब्त किया है। जब्त मशरुका कीमत 51 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने अनुपपुर निवासी विश्वनाथ राठौर, सोनू राठौर, प्रदीप पटेल व शहडोल निवासी किशन पटेल को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

दरअसल गौरेला थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा से बिलासपुर के रास्ते रतनपुर होते हुए दो अलग अलग कार में गांजा लेकर अनुपपुर मध्यप्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद गौरेला पुलिस व साइबर सेल की टीम के द्वारा खोडरी तिराहा के पास नाकाबंदी कर बिलासपुर कारिआम की तरफ से आ रहे वाहन क्रमांक CG 04 AQ 8105 रेनोल्ट ट्रीबर कार व CG 13 AB 5967 मारूति ब्रेजा कार को रोककर जांच की गई।

जांच के दौरान रेनोल्ट ट्रीबर में 60 किलो तथा मारूति ब्रेजा कार में 100 किलो ग्राम गांजा मिला। दोनों कार एवं गांजा 160 किलो गांजा तथा आरोपियों से पांच मोबाइल, कुल कीमती 51 लाख 50 हजार रुपए जब्त किया। इस मामले में पुलिस ने अनुपपुर निवासी विश्वनाथ राठौर, सोनू राठौर, प्रदीप पटेल व शहडोल निवासी किशन पटेल को गिरफ्तार कर धारा 20 (B) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने बताया कि तस्कर विश्वनाथ राठौर पर पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। कई मामलों में इसकी संलिप्तता रही है। इसी प्रकार सोनू राठौर पर भी पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड है। बहरहाल गांजा तस्करों पर हुई कार्रवाई में थाना प्रभारी सौरभ सिंह ,उप निरीक्षक सनत मात्रे, सहायक उप निरीक्षक अरविन्द मिश्रा, प्रधान आरक्षक पियूष तिर्की, आरक्षक सन्नी कोशले, हर्ष गहरवार और साइबर सेल से एएसआई मनोज हनोतिया, प्रधान आरक्षक रवि त्रिपाठी, चौपाल कश्यप, आरक्षक राजेश शर्मा, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, महेंद्र परस्ते, दुष्यंत मसराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही हैं।

सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 7 लाख की ठगी

रायपुर। राजधानी में खुद को पूर्व पीएससी चीफटामन सिंह सोनवानी का भतीजा बताकर एक छात्रा से 7 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। आरोपी विकास ठाकुर ने महिला पर्यवेक्षक पद पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। छात्रा और उसकी बहन से अलग-अलग 7 लाख रुपए ले लिए। आरोपी छात्रा को भरोसा दिलाने के लिए पीएससी चीफ का चेट भी दिखाया था और उसने दावा किया कि महिला पर्यवेक्षक पद पर सीधी भर्ती करवा देगा। आरोपी पिछले 6 माह से पीड़िता को गुमराह कर रहा है। अंबिकापुर निवासी शिखा जायसवाल रायपुर में पढ़ाई कर रही है। वह डीडीनगर इलाके में किराए के मकान पर रहती है। एक परिचित के माध्यम से उसकी मुलाकात अंबिकापुर के ही विकास ठाकुर से हुई। विकास ने झांसा दिया कि मंत्रालय के अधिकारियों से उसकी अच्छी पकड़ है। वह किसी की भी नौकरी लगा सकता है। उसके परिचित अधिकारी महिला पर्यवेक्षक की भर्ती कर रहे हैं। वहां वह सीधी भर्ती करा देगा।

कोरबा में सड़क किनारे खड़ी एक्टिवा में लगी आग, पेट्रोल टैंक में लीकेज की आशंका

कोरबा (ए)। कोरबा में सड़क किनारे खड़ी स्कूटी में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद स्कूटी धू-धू कर जलने लगा। स्कूटी को जलता देख राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही देखते ही देखते स्कूटी जलकर खाक हो गया। ये पूरी घटना दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत शक्ति नगर का है।

बताया जा रहा है कि आग स्कूटी के पेट्रोल टैंक के हिस्से में लगी थी। पेट्रोल टैंक के हिस्से में काफी ऊंचाई तक आग के शोले भड़कते हुए नजर आए। वाहन की टंकी फट न जाये इस डर से लोग आसपास से भाग गये। वहीं स्कूटी के बगल में एक और वाहन खड़ा था, जिसे वाहन मालिक डर के कारण मौके से हटा नहीं पा रहा था। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

आग लगने के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आग कब और कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं है। स्थानीय लोगों की मानें तो आग की लपटे देख फायर ब्रिगेड को फोन करना चाहा लेकिन आग इतनी तेजी से लगी कि उन्हें मौका ही नहीं मिला। बताया जा रहा है कि एक्टिवा की टंकी में लीकेज था, जहां शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की घटना घटी।

दीपिका थाना प्रभारी अश्वनी राठौर ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। शिकायत आने पर पुलिस कार्रवाई जरूर करेगी।

राजिम नवापारा में पिकअप गौ तस्करी करते 2 गिरफ्तार, एक फरार

राजिम (ए)। नवापारा से बड़ी खबर सामने आ रही है यहां गौ तस्करी करते दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, वहीं एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। पूरा मामला नवापारा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार नवापारा पुलिस को सूचना मिली कि पिकअप वाहन में 3 लोगों द्वारा 10 गौधन को लेकर तस्करी कर रहे थे। सूचना मिलते डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को

आता देख एक तस्कर मौके से फरार हो गया। वहीं दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ पशु संरक्षण अधिनियम 4, 6, 10 के तहत् कार्रवाई की गई है।

नवापारा थाना के एएसआई डोमन सिंह दीवान बताया कि बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि नवापारा थाना क्षेत्र के ग्राम छाटा और सोनेसिली के बीच पिकअप वाहन सीजी 05 एएन 1752 में गौ की की तस्करी कर रहे थे। श्री दीवाने ने बताया कि युवक सुमित सोनी ने तस्कर के संबंध में सूचना दी थी। जिस पर नवापारा पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए 2 तस्कर कार्तिक राम नेताम (32) और मधुशंकर लहरे (23) को गिरफ्तार किया है। वहीं एक मुख्य आरोपी मूलचंद निवासी ग्राम छाटा नवापारा फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने 10 मवेशी (6 गाय, 3 बछड़ा, 1 बछिया) को गोपाल गौशाला को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी गई है।

तेज रफ्तार कार ने 13 साल के बच्चें को मारी टक्कर, मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक तेज रफ्तार कार ने बच्चें को टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चें की मौके पर ही मौत हो गई। इस एक्सीडेंट के बाद कार चालक फरार हो गया। वहां मौजूद लोगों ने बच्चें को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। ये पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी जमकर वायरल हो रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक, टिकरापारा सुदामा नगर का रहने वाला प्रियांशु निर्मलकर न्यूज पेपर बांटने का काम करता है। उसकी उम्र 13 साल थी। गुरुवार सुबह साढ़े 6 बजे के वक्त वह अपने काम से निकला था। इसी दौरान वो अपनी साइकिल से संजय नगर इलाके में सड़क पार करने के लिए खड़ा हुआ था। वो साहू कॉम्प्लेक्स जा रहा था। तभी दूसरी तरफ से तेज रफ्तार में कार आ रही थी।

कार चालक ने मारी टक्कर, 15 मीटर उछला बच्चा

वीडियो में दिख रहा है कि कार दूसरी तरफ से तेज रफ्तार में आ रही थी। उसने प्रियांशु को जोरदार टक्कर मारी। जिससे वह साइकिल समेत ऊपर हवा में उछल गया। फिर सड़क पर दूर जाकर गिर गया। हादसे में उसकी साइकिल चकनाचूर हो गई। इस एक्सीडेंट के बाद मौके में भीड़ लग गयी। वहां से गुजर रहे लोगों ने प्रियांशु की मदद की। उसे उठाने की कोशिश करने लगे। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चें को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चें को मृत्य घोषित कर दिया।

अपने पढ़ाई का खर्चा खुद उठाता था

जानकारी के मुताबिक, प्रियांशु अपने घर के पास ही एक स्कूल में पढ़ता था। वह अपने पढ़ाई का खर्चा उठाने के लिए न्यूज पेपर बांटने का काम भी कर रहा था। घटना के वक्त भी वो सुबह लोगों के घरों में पेपर बांटने निकला था। तो बहुत मेहनती बच्चा था। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना के बाद कार चालक मौका पाकर फरार हो गया। फिलहाल टिकरापारा पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। इस घटना के बाद आसपास के लोगों ने जमकर नाराजगी भी जाहिर की।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

गर्ल्स कॉलेज में विश्व मृदा दिवस आयोजित

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वनस्पतिषास्त्र विभाग के तत्वाधान में विष्व मृदा दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. ऊषा चंदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष विष्व मृदा दिवस की थीम ''मिट्टी और पानी जीवन का स्त्रोत है''। इसी विषय को लेकर भाषण तथा पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगितायें आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्राओं ने मिट्टी और पानी के संरक्षण पर अपनी प्रस्तुती दी। महाविद्यालय के एक्वा क्लब द्वारा जल संरक्षण के लिये जागरूकता अभियान चलाया। महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में बी.एससी. भाग-2 की कु. दीक्षा सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बी.एससी. भाग-3 की कु. मुस्कान यादव तथा कु. कुसुम देषमुख ने क्रमषः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार कु. कावेरी कुम्भकार तथा रेणुका यादव को दिया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने मृदा के महत्व, उपयोगिता और संरक्षण पर आधारित पोस्टर बनाये थे। इस प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. लता मेश्राम तथा डॉ. सुषमा यादव थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्याओं में छात्राओं ने भागीदारी की।

सैंकड़ों निःशक्त बच्चे 'उड़ान' में 10 को दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

भिलाई। सामाजिक संस्था गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए वृहद खेल व कला-सांस्कृतिक समारोह 'उड़ान' का भव्य आयोजन 10 दिसंबर रविवार को भिलाई निवास के सामने स्थित दिव्यांग खेल मैदान में सुबह 10 बजे से किया जा रहा है। जिसमें दुर्ग सहित विभिन्न जिलों के 16 स्कूलों के 400 से ज्यादा बच्चे भाग लेंगे। इस दौरान दिव्यांग बच्चे न सिर्फ अपनी खेल प्रतिभा दिखाएंगे बल्कि अपने सपनों में रंग भरते हुए पेंटिंग प्रतियोगिता में भी हिस्सा लेंगे। आयोजन में भिलाई स्टील प्लांट,सशस्त्र सीमा बल,केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) सहित, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि निःशक्तजन स्कूलों से प्रतिभागी दिव्यांग बच्चों ने पंजीयन करवा लिया है और आयोजन स्थल पर भी तत्काल पंजीयन की सुविधा दी जाएगी। इसके अंतर्गत स्कूलों तक पहुंच नहीं रखने वाले और रजिस्ट्रेशन से चूक गए दिव्यांग बच्चों के आयोजन स्थल पर पहुंचने पर तत्काल पंजीयन कर उन्हें प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता में इन प्रतिभागियों व उनके शिक्षक-पालक सहित सैकड़ो लोगो के आने की संभावना है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों की हौसला अफजाई के लिए दर्शकों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

शपथ से पहले ही दिखने लगा वैशाली नगर में विधायक रिकेश का जलवा, पुलिस के साथ किया पैदल मार्च

विधायक रिकेश ने कहा-वैशाली नगर में नहीं चलने देंगे अवैध नशे का कारोबार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद अब सरकार गठन का इंतजार है। प्रदेश का सीएम कौन होगा इस पर सस्पेंस है। बहरहाल छत्तीसगढ़ में भले ही सरकार का गठन नहीं हुआ हो लेकिन प्रदेश के जीते हुए विधायक जरूर एक्टिव हो गए हैं। इसी कड़ी में वैशाली नगर विधानसभा के नव निर्वाचित विधायक रिकेश सेन पहले दिन से ही ग्राउंड पर दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि रिकेश सेन के प्रयास से ही शहर के चखना सेंटरों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। यही नहीं गुरुवार को दिनभर रिकेश मैदान में डटे रहे और पुलिस के साथ मिलकर पैदल मार्च भी किया।

वैशाली नगर विधायक रिकेश की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उन्होंने विधायक बनने के साथ ही अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। गुरुवार को रिकेश ने पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 पहुंचकर अफसरों से इस संबंध में चर्चा भी की। इसके बाद शाम को छावनी पुलिस की टीम के साथ विधानसभा क्षेत्र में पैदल भ्रमण किया। इस दौरान वपे राम नगर मुक्तिधाम, 18 नंबर रोड, शांति नगर, जवाहर नगर आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया और अवैध नशे के कारोबार पर नकेल कसने पुलिस के साथ खुद मैदान पर उतरे।

होटल व ढ़ाब संचालकों को सख्त निर्देश

भ्रमण के दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने होटल व ढ़ाबा संचालकों को सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अवैध नशे का कारोबार कर रहे हैं तो उसे तत्काल बंद कर दे। इस दौरान विधायक रिकेश खुद जांच करते भी देखे गए। इस दौरान वैशाली थाना प्रभारी ममता शर्मा पूरे दलबल के साथ रही। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि शहर में अवैध नशे का कारोबार नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कारोबार की शिकायतें मिलने पर का जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी और एफआईआर भी होगा। पहले दिन से एक्शन होने से विधायक रिकेश की क्षेत्र में जबरदस्त चर्चा भी हो रही है।

दूसरे दिन भी जारी रही चखना सेंटरों पर कार्रवाई, निगम की टीम ने इन शराब की दुकानों के पास हटाए चखना सेंटर

भिलाई । छत्तीसगढ़ में सरकार बदलने के साथ ही शहरों में भी इसका असर दिखने लगा है। बीते दो दिनों से भिलाई निगम व पुलिस प्रशासन द्वारा शराब की दुकानों के पास अवैध रूप से संचालित चखना सेंटरों पर कार्रवाई कर रही है। बुधवार को दुर्ग व भिलाई में कई चखना सेंटरों में कार्रवाई कर उन्हें बेदखल किया गया। इसी कड़ी में गुरुवार को भी भिलाई निगम की टीम ने पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की।

सुबह से ही निगम की टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। निगम आयुक्त रोहित व्यास की मौजूदगी में गुरूवार को जवाहर नगर, कुरूद और खुर्सीपार स्थित शराब दुकान के पास बने अवैध चखना सेंटर को तोड़फोड़ कर ध्वस्त किया गया और प्रतिबंधित पानी पाउच व अन्य सामग्री को जप्त किया गया। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा के निर्देश पर निगम क्षेत्र मे संचालित शासकीय शराब दुकान के आस-पास अवैध रूप से चल रहे चखना सेंटर पर ताबडतोड कार्रवाई की जा रही है। बांस बल्ली के माध्यम से तंबू तानकर तथा टीन शेड का गुमटी बनाकर अवैध रूप से चखना का व्यवसाय करने के वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान दुकानों से प्रतिबंधित पानी पाउच, प्लास्टिक गिलास, अमानक खाद्य सामाग्री को भी भारी मात्रा में जब्त किया गया है। शहर में अवैध चैपाटियों, ठेले, सड़क किनारे कच्चे - पक्के दुकान, गुमटियां के माध्यम से व्यवसाय करने वाले जिनके कारण यातायात प्रभावित होता है उन्हें बेदखल किया जा रहा है ताकि आवागमन सुगम हो सके किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्रवाई के दौरान चखना सेंटर वालों से भारी संख्या में पानी पाउच की बोरी, डिस्पोजल व अन्य सामग्री जप्त किए उनके उक्त क्षेत्र में प्रतिबंधित सामग्री का विक्रय और खाद्य सामग्री विक्रय करने से आस पास के क्षेत्र में भारी गंदगी फैला रहे थे। जिसे देखते हुए इनके दुकान के सामग्री को पंचनामा बनाकर जब्ती बनाया गया।

निगम की टीम ने हटाया अवैध अतिक्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत को आयुक्त लोकेश चन्द्राकर की मौजूदगी में भवन अधिकारी गिरीश दीवान,बाजार अधिकारी जावेद अली एवं टीम अमला द्वारा पोटिया कला चौक शासकीय हॉस्पिटल के सामने सहित अन्य जगहों पर जेसीबी की मदद से कब्जा तोड़ा गया। निगम द्वारा लगाया गया पेवर ब्लाक के ऊपर 8 अवैध ठेला लगाया गया था उक्त जगह को रिक्त कराकर शासकीय हॉस्पिटल पार्किंग व्यवस्था हेतु किया गया है।

पेवर ब्लाक के ऊपर आठ ठेला,खोमचों और बॉस बल्ली के छपरो को भी तोड़ा गया। आयुक्त लोकेश चंद्राकर कार्रवाई के दौरान मौजूद थे।आयुक्त ने हटाये गए रिक्त जगहों पर शासकीय हॉस्पिटल के डॉक्टर व कर्मचारियो से मुलाकात कर गाड़ी पार्किंग करने की बात कही एवं स्थान पर अधिकारियों को पार्किंग बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए।

इस दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कार्रवाही क्षेत्र में अवैध रूप से दुकान लगाने वालों को दोबारा ऐसा न करने की चेतावनी दी।और जल्द अतिक्रमण हटाने की बात कही।नगर निगम ने पोटिया चौक से मिनी माता चौक जाने वाले मार्ग के बीच तक लगभग दर्जनों दुकानों के सामने से सड़क के दोनों किनारे पर बाँस बल्ली,टिन शेड से किए गए अवैध अतिक्रमण को जेसीबी से हटाया गया।

दुकान के बाहर दुकानदारों द्वारा टीन सेट स्वयं हटा लेने एक दिन की मोहलत मांगी गई।पूरी कार्रवाही के दौरान व्यापारियों ने निगम के कार्य मे अपना सहयोग दिया और अनेक व्यवसायी स्वस्फूर्त होकर अपने अतिरिक्त कब्जो को समेटते नजर आये।और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया गया।नगर पालिक निगम द्वारा दुर्ग सीमा क्षेत्र में सड़क बाधाकर व्यवसाय करने वाले व्यवसासियों एवं रोड किनारे चौक चौराहों पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालो से अपील की जाती है कि वे अपना सामान हटा लें अथवा निगम द्वारा सामान हटाने के साथ साथ जब्त व जुर्माना करने की कार्रवाही की जाएगी।कार्रवाही के मौके पर सहायक भवन निरीक्षक विनोद मांझी,सहायक बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,राजू बक्शी,ईश्वर वर्मा,शशिकांत यादव एवम बलदाऊ पटेल मौजूद रहें।

पूर्व सीएम डॉ. रमन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव से मिले दया सिंह, शानदार जीत की दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज किया। भाजपा की जीत में भिलाई निगम के उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह का भी योगदान रहा। उन्होंने अपनी टीम के साथ जमीनी स्तर पर काम किया। भाजपा की जीत के बाद उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने भाजपा की शानदान जीत की बधाई दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिस लक्ष्य को प्राप्त करने का आशीर्वाद पार्टी नेताओं ने दिया था उसमें सफल हो गए। दया सिंह ने बताया कि पार्टी के नेताओं का आशीर्वाद और मार्गदर्शन सदैव मिलता रहा है।

चुनाव से पहले भी लक्ष्य निर्धारित करते हुए ग्राउंड में टीम के साथ उतरे थे। भिलाईनगर और वैशालीनगर विधानसभा में दया सिंह अपनी टीम के साथ पसीना बहाए थे। उसकी भी जानकारी दया ने संगठन के नेताओं को दी। डॉ. रमन सिंह और अरूण साव को भिलाई आने का न्यौता भी दया सिंह ने दिया है।

ऑक्सीजन प्लांट-2 में मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट-2 में आपदा प्रबंधन अभ्यास के लिए, 06 दिसम्बर 2023 को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। ऑक्सीजन प्लांट-2 को संवेदनशील माना जाता है। विदित हो कि प्रत्येक विभाग में आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु प्रोटोकाल बनाये गए हैं। वैधानिक नियमों के अनुसार आपदा प्रबंधन के लिए समय-समय इस प्रोटोकाल के जांच हेतु ऑक्सीजन प्लांट - 2 में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। इस अभ्यास के दौरान बीएसपी के सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड, सेफ्टी इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, एमएमपी-1, सिविल डिफेन्स तथा ऑक्सीजन प्लांट-2 के अधिकारियों व कार्मिकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

ओपी-2 एक संवेदनशील क्षेत्र है और इसको ध्यान में रखते हुए नियतकालीन समय में, सुरक्षा को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में 06 दिसम्बर 2023 को एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके पूर्व ऑक्सीजन प्लांट -2 में 13 जून 2023 को भी मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। लिक्विड ऑक्सीजन पंप के ब्रेकडाउन के लिए विद्युत रखरखाव और (लिक्विड ऑक्सीजन) स्व् टैंक ऑपरेटर के चार व्यक्तियों का एक समूह स्व् टैंक-2 में काम कर रहा था। विद्युत पैनल पर चिंगारी के कारण अचानक आग लग गई, जिसके कारण लिक्विड ऑक्सीजन टैंक के नियंत्रण कक्ष के अंदर अत्यधिक धुआं हो गया। अचानक लिक्विड ऑक्सीजन का रिसाव प्रारंभ हो गया। दो व्यक्ति फंस गए और दो व्यक्ति बाहर आए, जिन्होंने बचाव के लिए अन्य लोगों को बुलाया। यांत्रिक विभाग के व्यक्ति बचाव के लिए चिल्लाने लगे और ओपी-2 के शिफ्ट मैनेजर को सूचित किया। स्थिति का विश्लेषण करने के बाद शिफ्ट मैनेजर तुरंत मौके पर पहुंचे।

इसी बीच साइट पर मौजूद बिजली विभाग के व्यक्ति ने अलार्म बजाकर संकेत दिया। शिफ्ट इंचार्ज सहायक प्रबंधक (ओपी-2/ऑपरेशन) गौरव चैधरी ने, प्लांट कंट्रोल, फायर ब्रिगेड, एम.एम.पी-1 सीआईएसएफ सेफ्टी कंट्रोल, सिविल डिफेंस, विभागाध्यक्ष और ऑक्सीजन प्लांट- 2 के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। महाप्रबंधक (ओपी-2) श्री पी सी बाग, महाप्रबंधक (ओपी-2 ध् ऑपरेशन) श्री एमडी नदीम खान, सहायक महाप्रबंधक (ओपी-2/मैकेनिकल) शिवम, और वरिष्ठ प्रबंधक (ओपी-2) व विभागीय सुरक्षा अधिकारी एम डी साहू के साथ मौके पर पहुचकर स्थिति का नियंत्रण संभाला। इसी बीच मुख्य महाप्रबंधक (यूटिलिटीज) ए के जोशी भी मौके पर पहुंचे, स्थिति संभाली और दुर्घटना पर नियंत्रण करने में सफल रहे। एक घायल व्यक्ति को ओपी-2 के लोगों ने बचाया, बाद में दूसरे व्यक्ति को भी निकाला गया। सभी संबंधित एजेंसियां फायर ब्रिगेड, ओएचएस, सिविल डिफेंस, सीआईएसएफ और सेफ्टी कंट्रोल मौके पर पहुंचीं।

टाउनशिप में डेंगू व मलेरिया की रोकथाम हेतु बीएसपी का प्रयास निरंतर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के जनस्वास्थ विभाग एवं जिला मलेरिया विभाग, दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से भिलाई टाउनशिप में डेंगू एवं मलेरिया रोकथाम हेतु वृहद सर्वेक्षण, लार्वानाशी के निःशुल्क वितरण एवं जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एंटीलार्वा अभियान के साथ-साथ दवा का छिड़काव, फॉगिंग, स्प्रे तथा टेमीफॉस दवा का वितरण तथा आमजनों को डेंगु से बचाव हेतु किए जाने वाले उपायों के पॉम्पलेट भी बांटे जा रहे है। डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु चलाये जा रहे इस अभियान के तहत विविध कार्यों को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है।

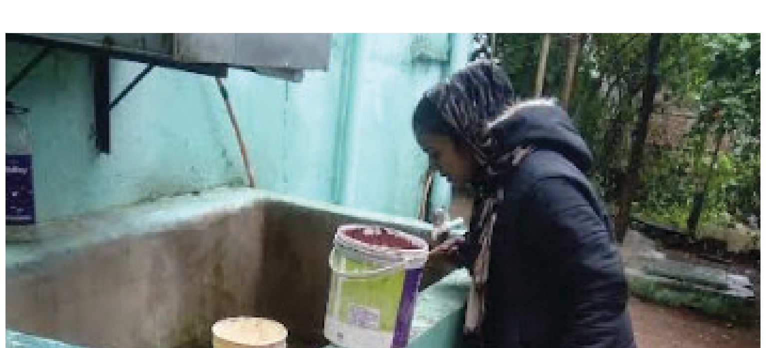

टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में एंटीलार्वा अभियान चलाया जा रहा है। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, इनडोर स्प्रे, आउटडोर स्प्रे, एंटी लार्वा एक्टीविटिस (आइलिंग व स्प्रे), बैकलेन स्प्रे व ऑइलिंग कार्य किया जा रहा है। साथ ही रुके हुए पानी में ऑइलिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। बीएसपी द्वारा भिलाई टाउनषिप में पोर्टेबल फॉगिंग तथा व्हीकल माउंटेड मषीन द्वारा थर्मल फोगिंग किया जा रहा है।

साफ-सफाई का विषेष ध्यान रखते हुए सभी सेक्टरों के बैक लाइन एवं गार्बेज कंटेनरों के आसपास ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव कराया जा रहा है। टाउनशिप के स्कूलों, बाजारों, एवं सार्वजनिक स्थानों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। टाउनशिप में चिन्हित मच्छरों के ब्रीडिंग प्लेस में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, ऑइलिंग किया गया।

पानी जमा होने वाले स्थानों व गड्ढों में मलबा डालकर समतल किया जा रहा है ताकि पानी का जमाव ना हो सके। जमे हुए पानी में उत्पन्न लार्वा को समय रहते नष्ट किया जा सके एवं डेंगू के मच्छर को पनपने से रोका जा सके। टाउनशिप के समस्त घरों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं टेमीफॉस दवाओं का छिड़काव एवं टेमीफॉस घोल का वितरण किया जा रहा है।

जागरूकता अभियान के तहत लोगों के घर-घर जाकर समझाइश दिया जा रहा है तथा पाम्पलेट वितरण भी किया जा रहा है। लोगों को निर्देशित किया गया कि कूलर एवं पानी स्टोरेज की टंकियों को साफ रखे व पानी बदलते रहे। कूलर व पानी स्टोर करने वाली टंकियों में प्रत्येक 04 दिनों के भीतर टेमीफॉस घोल डाल दें। साथ ही जल के जमाव की स्थिति में कोई भी जला हुआ ऑइल डाल दें।

भिलाई इस्पात संयंत्र, प्रत्येक वर्ष डेंगु रोकथाम हेतु समुचित प्रयासों को अंजाम देता आ रहा है। इस्पात नगरी क्षेत्र के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें और मच्छरों और लार्वा को समाप्त करने के लिये सामूहिक रूप से निरंतर प्रयास करें। मच्छर नियंत्रण हेतु व्यक्तिगत स्तर पर किये जा सकने वाले उपाय में सहयोग करें। भिलाई टाउनशिप क्षेत्र को मच्छर रहित बनाकर डेंगू मुक्त बनाने हेतु बीएसपी का प्रयास निरन्तर जारी है। बीएसपी के डेंगु रोकथाम के गतिविधियों में सहयोग कर शहर को डेंगु व मलेरिया मुक्त बनाने में योगदान दें।

आम जनमानस की पीड़ा मेरी अपनी पीड़ा - गजेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के विभिन्न समस्याओं को लेकर दुर्ग शहर के नवनिर्वाचित विधायक गजेंद्र यादव ने बरसते पानी में विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करके उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया और आम जनमानस की पीड़ा को दूर करने की दिशा में कदम बढ़ाया सुबह उपस्थित अधिकारी एवं समर्थकों के साथ मितान चौक से पोटिया तक रोड निर्माण जो आम जनमानस को आवागमन के लिए सुविधा प्राप्त हो उसके लिए उपस्थित अधिकारियों को सर्वे कार्य प्रारंभ करने का आवश्यक दिशा निर्देश दिया, बघेरा के पास स्थित प्रजापति ब्रह्माकुमारी रोड जो नेशनल हाईवे से जुड़ता है उसे 15 दिन के अंदर उपस्थित अधिकारियों को काम शुरू करने का निर्देश दिया, वार्ड क्रमांक 56 बघेरा आम जनमानस के मानसा के अनुरूप एवं वार्ड के पार्षद के द्वारा पुल निर्माण के लिए आग्रह किया गया जिसे स्वीकार करते हुए पुल निर्माण हेतु आवश्यक कार्य संपूर्ण जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया, वार्ड क्रमांक 1 में भाजपा पार्षद दल से मुलाकत के दौरान पार्षद दल के द्वारा पट्टा वितरण की मांग की गई उपस्थित एसडीएम पट्टा वितरण जल्द से जल्द शुरू करने का आवश्यक निर्देश दिया, चंडी चौक मार्ग को सुगम बनाने हेतु आसपास के पार्षदों की उपस्थिति में सर्वे करने के पश्चात जल्द से जल्द आम जनमानस को इसकी सुविधा के अनुरूप आवागमन प्राप्त हो इसीलिए हेतु उपस्थित अधिकारियों को कार्य प्रारंभ करने के लिए कहा, नयागंज मंडी के बाजू से जयंती नगर नगर तक रोड निर्माण प्रारंभ करने का निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950